website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

# दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 64 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

## नौसेना को मिलेंगे 6 और पी-8आई विमान, रक्षा परिषद की मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी क्षमता को और मजबूत करने के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने 6 अतिरिक्त पी-8आई लंबी दूरी के समुद्री टोही विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी

है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन विमानों के लिए "एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी" (AoN) को स्वीकृति दी गई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस खरीद से नौसेना की समुद्री सुरक्षा, निगरानी और हमलावर क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। भारत का समुद्री क्षेत्र वैश्विक व्यापार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है, जहां से दुनिया का लगभग 70–80 प्रतिशत व्यापार गुजरता है। ऐसे में हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती रणनीतिक गतिविधियों को देखते हुए नौसेना अपनी टोही और पनडुब्बी रोधी ताकत को लगातार बढ़ा रही है। पी-8आई विमान अमेरिका से खरीदे जाएंगे। भारतीय नौसेना पहले से 12 पी-8आई विमान संचालित कर रही है — 8 विमान 2009 में और 4 विमान 2016 में खरीदे गए थे। इससे पहले 2019 में भी 6 अतिरिक्त विमानों के लिए AoN दी गई थी, लेकिन समय सीमा पूरी होने के कारण अब इसे नए सिरे से मंजूरी मिली है। अमेरिका ने 2021 में इन विमानों और संबंधित उपकरणों की संभावित बिक्री को भी स्वीकृति दी थी। पी-8आई विमान 41 हजार फीट की ऊंचाई से समुद्र में छिपी पनडुब्बियों का पता लगाने में सक्षम है और करीब 8300 किमी तक उड़ान भर सकता है। यह एंटी-शिप मिसाइल, टॉरपीडो और अन्य हथियारों से लैस मल्टी-मिशन प्लेटफॉर्म है।

### कानपुर लेम्बोर्गिनी हिट एंड रन केस:

## आरोपी शिवम मिश्रा को जमानत, रिमांड अर्जी खारिज

यूपी। कानपुर के चर्चित लेम्बोर्गिनी हिट एंड रन मामले में आरोपी शिवम मिश्रा को कोर्ट से जमानत मिल गई है। अदालत ने उन्हें 20 हजार रुपये के मुचलके और 20 हजार रुपये के पर्सनल बॉन्ड पर रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही पुलिस द्वारा मांगी गई रिमांड अर्जी भी खारिज कर

दी गई। यह जानकारी शिवम मिश्रा के वकील नरेश चंद्र त्रिपाठी ने दी। वकील ने बताया कि कोर्ट ने रिमांड देने से इनकार कर दिया और कहा कि मामले में गिरफ्तारी के प्रावधानों का पालन जरूरी है। बचाव पक्ष का दावा है कि पुलिस ने शिवम मिश्रा को गलत तरीके से गिरफ्तार किया और यह कार्रवाई दबाव में की गई। वकील के अनुसार यह एक मामूली एक्सीडेंट था, जो कार की तकनीकी खराबी के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि हादसे में एक व्यक्ति को हल्की चोट आई थी और आपसी समझौता भी हो गया था, लेकिन महंगी गाड़ी और बड़े परिवार से संबंध होने के कारण मामला बढ़ा दिया गया। बचाव पक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि आरोपी को पूछताछ के लिए पहले नोटिस क्यों नहीं दिया गया। कोर्ट ने भी इस पर सवाल उठाए। वकील के मुताबिक सात साल से कम सजा वाले मामलों में सीधे गिरफ्तारी के बजाय नोटिस की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, जिसका पालन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस कोर्ट में यह भी स्पष्ट जवाब नहीं दे सकी कि पूछताछ के लिए कब से प्रयास किए जा रहे थे। वकील ने बताया कि शिवम मिश्रा को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया, जबकि कानपुर से गिरफ्तारी की बात सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि शिवम की तबीयत ठीक नहीं है, उन्हें ब्लड प्रेशर और शुगर की समस्या है। गौरतलब है कि वीआईपी रोड पर तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी कार ने ऑटो और बुलेट सवारों को टक्कर मार दी थी और फुटपाथ पर चढ़ गई थी। हादसे में चार लोग घायल हुए थे और मौके पर अफरातफरी मच गई थी।

### टिब्बी एथेनॉल फैक्ट्री विवाद:

## किसानों का जयपुर कूच ऐलान

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ के टिब्बी क्षेत्र में प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ किसान आंदोलन तेज हो गया है। तलवाड़ा में चौथी महापंचायत में किसानों ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि मांगें नहीं मानी गईं तो 23 मार्च के बाद जयपुर कूच कर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। किसानों ने फैक्ट्री का (MoU) रद्द करने और दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग दोहराई। महापंचायत के दौरान भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा, धारा 163 लागू की गई और इंटरनेट बंद रखा गया। इस बीच हाईकोर्ट ने तोड़फोड़ मामले में दर्ज एफआईआर पर आगे की पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाकर किसानों को राहत दी है।

# भारत रूस से तेल खरीदेगा या नहीं? ट्रंप के दावों पर पुतिन के करीबी बोले — 'उनके अलावा किसी के मुंह से नहीं सुना'

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत की रूसी तेल खरीद को लेकर किए गए दावे पर अब रूस की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने साफ कहा है कि उन्हें राष्ट्रपति ट्रंप के अलावा किसी भी भारतीय अधिकारी या प्रतिनिधि से ऐसा कोई बयान सुनने को नहीं मिला कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने संकेत दिया कि भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग पहले की तरह जारी है और किसी बदलाव का ठोस आधार नहीं दिखता। लावरोव ने कहा कि उन्होंने न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न ही किसी अन्य भारतीय प्रतिनिधि के मुंह से रूसी तेल खरीद रोकने जैसी बात सुनी है। उनके मुताबिक, मॉस्को और नई दिल्ली के बीच जो समझौते और ऊर्जा सहयोग चल रहा है, वह सुरक्षित है और उसके खतरे में पड़ने का कोई कारण नजर नहीं आता।

**भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर ट्रंप का दावा**

डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया बयान में दावा किया था कि भारत ने रूस से तेल खरीद बंद करने और अमेरिका व वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने पर सहमति जताई है। हालांकि भारत सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह

अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी भी देश से तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है और यह फैसला राष्ट्रीय हित के आधार पर लिया जाता है। रूस ने इस मुद्दे पर अमेरिका पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाया है। मॉस्को का कहना है कि वाशिंगटन दूसरे देशों को रूसी तेल खरीदने से रोकने के लिए टैरिफ, प्रतिबंध और सीधे निषेध जैसे दबावपूर्ण उपायों का सहारा ले रहा है। लावरोव ने कहा कि अमेरिका वैश्विक आर्थिक प्रभुत्व बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसे कदम उठा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस भारत और अन्य ब्रिक्स देशों के साथ अपने व्यापार, निवेश और सैन्य-तकनीकी सहयोग को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, और बाहरी दबावों से इन रिश्तों पर असर नहीं पड़ेगा।

**रूस ने ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय देशों को दी चेतावनी**

रूस ने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर भी पश्चिमी देशों को कड़ी चेतावनी दी है। सर्गेई लावरोव ने रूसी संसद में कहा कि यदि पश्चिमी देश ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाते हैं तो रूस जवाबी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि हाल के वैश्विक घटनाक्रम बताते हैं कि दुनिया एक लंबे और बड़े भू-राजनीतिक बदलाव के दौर में प्रवेश कर चुकी है। लावरोव ने यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्ष अलास्का के एंकरेज में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत के दौरान यूक्रेन संकट को लेकर अमेरिका का प्रस्ताव रूस ने स्वीकार किया था। उनके मुताबिक, उस वार्ता में समाधान की दिशा में सहमति बनी थी और बातचीत का मकसद टकराव कम करना था।

## ट्रेड डील पर अमेरिका ने क्यों बदल दीं शर्तें? विदेश मंत्रालय ने बताया

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील की चर्चा इन दिनों सभी जगह है। इस डील की फैक्टशीट पर हाल ही में वाइट हाउस द्वारा कुछ बदलाव किए गए थे। अब इन बदलावों पर जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन दोनों देशों की आपसी सहमति के बाद हुए हैं। यह दोनों देशों की साझा समझ को भी प्रदर्शित करते हैं। मीडिया से बात करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले पर सरकार का मत सामने रखा। उन्होंने कहा, "दोनों देशों के बीच में पारस्परिक लाभ और व्यापारिक लाभ को ध्यान में रखकर एक अंतरिम समझौते पर सहमति बनी थी। इसे एक संयुक्त बयान के रूप में पेश किया गया था। यही बयान (फैक्टशीट) इस मामले में हमारी समझ का आधार बना हुआ है। अमेरिका की तरफ से इसमें जो भी संशोधन किए गए हैं, वह पूरी तरह से आपसी समझ को प्रदर्शित करते हैं।

**क्या है पूरा मामला?**

लंबी बातचीत और कई दौर की मीटिंग के बाद आखिरकार भारत और अमेरिका के बीच एक समझौते पर मुहर लगी थी। हालांकि, अभी भी इस पर बातचीत जारी है, लेकिन एक संयुक्त

बयान जारी कर दिया गया था। यह एक बार 10 फरवरी को फिर चर्चा में आया, जब वाइट हाउस ने इस बयान की फैक्टशीट में बदलाव कर दिया। इस बदलाव के मुताबिक भारत द्वारा जिन अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ कम करने या समाप्त करने की बात पहले कही गई थी, उनमें से कुछ दालों को हटा दिया गया। इस संशोधन के पहले वाइट हाउस की आधिकारिक बेवसाइट पर उपलब्ध बयान के मुताबिक कहा गया था कि भारत सभी प्रकार की औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों पर से टैरिफ हटाने या कम करने के लिए सहमत हुआ है। इसके अलावा अमेरिका की तरफ से पहले 500 बिलियन डॉलर की खरीद को लेकर भारत के प्रतिबद्ध होने की बात कही गई थी, इसे बाद में संशोधित करके 'इरादा रखता है' वाली बात जोड़ी गई। यानी यह बात भारत के लिए बाध्यकारी न होकर एक आपसी सहमति पर आधारित होगी।

**भारत और अमेरिका व्यापारिक समझौता:-**

ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से लगातार भारत और अमेरिका के बीच में तनाव बना हुआ था। यह तनाव इतना बढ़ गया कि ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को भी खरी-खोटी सुनाना शुरू कर दी। अमेरिकी ट्रंप, प्रशासन द्वारा लगातार बनाए गए दबाव के बाद भी सरकार ने किसानों के हितों को ताक पर नहीं रखा। महीनों की वार्ता के बाद आखिरकार दोनों देश एक समझौते पर पहुंचे। इस समझौते की तरफ सबसे पहले अमेरिकी राजदूत सर्गियो गोर ने इशारा किया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टुथ सोशल पर इसकी जानकारी साझा कर दी। इसके बाद भारत सरकार की तरफ से भी इस पर जानकारी साझा की गई।

## सिएटल हादसे में भारतीय छात्रा की मौत, परिवार को 262 करोड़ मुआवजा

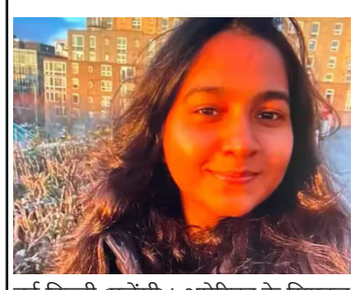

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सिएटल शहर में 2023 में पुलिस वाहन की टक्कर से मारी गई 23 वर्षीय भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला के परिवार को बड़ा मुआवजा मिलेगा। सिएटल प्रशासन ने परिवार के साथ 29 मिलियन डॉलर (करीब 262 करोड़ रुपये) के समझौते पर सहमति जताई है। यह मामला उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था और अब कानूनी समझौते के साथ इसे सुलझा लिया गया है। हादसे के समय पुलिस अधिकारी केविन डेव तेज रफ्तार में वाहन चला रहे थे। वह ड्रग ओवरडोज कॉल पर जा रहे थे और उनकी गाड़ी की रफ्तार लगभग 119 किमी प्रति घंटा बताई गई, जबकि उस इलाके में स्पीड लिमिट करीब 40 किमी प्रति घंटा थी। रिपोर्ट के अनुसार वाहन की इमरजेंसी लाइट्स और सायरन चालू थे, लेकिन तेज गति के कारण सड़क पार कर रहीं जाह्नवी को टक्कर लग गई और उनकी मौत हो गई। सिटी अटॉर्नी एरिका इवांस ने बयान जारी कर कहा कि यह बेहद दुखद घटना थी और शहर को उम्मीद है कि आर्थिक समझौते से परिवार को कुछ राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि जाह्नवी की जिंदगी उनके परिवार, दोस्तों और समुदाय के लिए बेहद मायने रखती थी। जाह्नवी सिएटल स्थित नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी में इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स में मास्टर्स की पढ़ाई कर रही थीं। मामले ने तब और तूल पकड़ा जब एक अन्य अधिकारी के बॉडी कैमरा की रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें वह कथित रूप से असंवेदनशील टिप्पणी करते सुने गए। इसके बाद विरोध प्रदर्शन भी हुए और भारतीय अधिकारियों ने जांच की मांग उठाई। रिकॉर्डिंग में सुनाई देने वाले अधिकारी डेनियल ऑडरेर को नौकरी से हटा दिया गया, जबकि वाहन चला रहे केविन डेव को भी बर्खास्त कर जुर्माना लगाया गया। हालांकि अभियोजकों ने गंभीर आपराधिक आरोप नहीं लगाए। समझौते की रकम का बड़ा हिस्सा बीमा कंपनी देगी।

## नीतीश कुमार पर तेज प्रताप यादव का तीखा हमला, बोले— 'बुद्धि पूरी तरह से फेल'

पटना। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी "बुद्धि पूरी तरह से फेल हो चुकी है" और अब वे मुख्यमंत्री पद की गरिमा के लायक नहीं रहे। यह बयान उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के हालिया "लड़की वाले" बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए दिया। आईएएनएस से बातचीत में तेज प्रताप यादव ने कहा कि जनता सब देख रही है कि कौन क्या बोल रहा है और कैसे व्यवहार कर रहा है। उनके मुताबिक, "लोग खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारते हैं और अपनी पहचान खुद बनाते हैं। आज मुख्यमंत्री हंसी के पात्र बन चुके हैं।" आने वाले चुनावों पर बात करते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि उनकी पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने साफ कहा कि संगठन को मजबूत किया जा रहा है और कार्यकर्ता सक्रिय हैं। बजट सत्र में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की गैरमौजूदगी पर उन्होंने कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। "जख्म भरने में समय लगता है। जब स्वास्थ्य खराब होता है तो व्यक्ति सदन में उपस्थित नहीं हो पाता," उन्होंने कहा। महाशिवरात्रि को लेकर तेज प्रताप यादव ने कहा कि वे महादेव के भक्त हैं और हर साल श्रद्धा से पूजा करते हैं। इस बार भी शिवरात्रि पर विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। उन्होंने कहा, "महादेव की कृपा हम पर बनी रहती है, हर-हर महादेव का जयकारा लगेगा।" वंदे मातरम् को लेकर जारी सरकारी गाइडलाइंस पर उन्होंने कहा कि जैसे तिरंगे का सम्मान और जन गण मन गाते समय सभी खड़े होते हैं, उसी

तरह वंदे मातरम् का भी सम्मान होना चाहिए। "वंदे मातरम् और भारत माता की जय बोलना ही बोलना है," उन्होंने कहा। सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर तेज प्रताप यादव ने इसे षड्यंत्र बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति में षड्यंत्र चलते रहते हैं और कई लोगों को निशाना बनाया जाता है। पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के मामले में उन्होंने सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। अभिनेता राजपाल यादव को आर्थिक मदद देने की बात स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में हर जरूरतमंद की सहायता करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने 22 लाख रुपये की मदद दी है और अन्य लोगों ने भी आगे आकर सहयोग किया है।

## 'राइट टू हेल्थ' पर मंत्री के बयान से सियासी घमासान, पूर्व CM अशोक गहलोत ने BJP पर साधा निशाना

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान उस समय तीखा विवाद खड़ा हो गया जब चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य में 'राइट टू हेल्थ स्कीम' की जरूरत नहीं है। उनके इस बयान के बाद विपक्षी सदस्यों ने जोरदार नारेबाज़ी की और सदन का माहौल गरमा गया। मंत्री खींवसर ने जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के जरिए लोगों को 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर दे रही है। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत बुखार से लेकर रोबोटिक सर्जरी तक की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, इसलिए अलग से राइट टू हेल्थ स्कीम की आवश्यकता नहीं बनती। इस टिप्पणी के बाद विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया भी सामने आई। उन्होंने कहा कि मंत्री का यह बयान निंदनीय है और बढ़ती इलाज लागत से जूझ

रहे गरीब व मध्यम वर्ग के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है।

**बीजेपी पर आरोप-नियम बनाने में विफल:-**

अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने यूनिवर्सल हेल्थकेयर के तहत चिरंजीवी योजना और निरोगी राजस्थान जैसी योजनाएं लागू होने के बावजूद राइट टू हेल्थ का कानून लाने की पहल की थी, ताकि आपात स्थिति में कोई भी मरीज इलाज से वंचित न रह जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा भाजपा सरकार इस कानून के नियम तय करने में विफल रही और अब इससे बचने के लिए अनावश्यक तर्क दे रही है।

**मेडिकल लॉबी के सामने बीजेपी का सरेंडर:-**

गहलोत ने आगे कहा कि जनता सब देख रही है — कांग्रेस सरकार लोगों को महंगे इलाज के बोझ से राहत देने के लिए राइट टू हेल्थ लागू करना चाहती थी, जबकि भाजपा सरकार मेडिकल लॉबी के दबाव में झुकती दिखाई दे रही है और इस अधिकार को ही गलत ठहराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने संकेत दिए कि अगर योजना को कमजोर किया गया या बंद किया गया तो कांग्रेस आंदोलन का रास्ता अपना सकती है। विधानसभा सत्र में इस मुद्दे पर आगे भी हंगामे की संभावना जताई जा रही है।

## राजपाल यादव को नहीं मिली बेल, तिहाड़ जेल में ही रहेंगे, सोमवार को होगी जमानत याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेता राजपाल यादव की जमानत याचिका पर तुरंत राहत देने से इनकार करते हुए सुनवाई को सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया है। अब इस जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 16 फरवरी को होगी। अदालत के फैसले के बाद राजपाल यादव फिलहाल तिहाड़ जेल में ही रहेंगे। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से समय मांगा गया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। मामले में दूसरे पक्ष को जवाब दाखिल करने का अवसर भी दिया गया है। जमानत अर्जी पहले ही दाखिल की जा चुकी है और अब विस्तृत दलीलें अगली तारीख पर रखी जाएंगी। अभिनेता के वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने अपने मुवक्किल से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन अब तक बात नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि जमानत आवेदन दाखिल कर दिया गया है और मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय जरूरी है। वकील ने यह भी कहा कि वे अगली सुनवाई पर अपनी पूरी दलीलों के साथ अदालत में पेश होंगे। उन्होंने अदालत को बताया कि जेल में जाकर राजपाल यादव से मिलने के बाद ही भुगतान से जुड़े स्पष्ट निर्देश मिल सकेंगे। बचाव पक्ष का कहना है कि निवेश के रूप में लिए गए करीब पांच करोड़ रुपये लौटाने से कभी इनकार नहीं किया गया।

**'आपसे हमदर्दी हो सकती है, लेकिन कानून अपनी जगह'**

सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत को सहानुभूति हो सकती है, लेकिन कानून सर्वोपरि

है। कोर्ट ने कहा कि पहले दिए गए आदेश के बावजूद समय पर सरेंडर नहीं किया गया था और दोबारा आदेश के बाद ही आत्मसमर्पण किया गया। अदालत ने इस पहलू को गंभीर माना। वकील ने बड़े भाई की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत की मांग का भी जिक्र किया और कहा कि बकाया रकम जमा कराने की तैयारी है तथा फिल्म इंडस्ट्री के कुछ लोग भी मदद के लिए आगे आए हैं।

**क्या है पूरा मामला?**

मामला वर्ष 2010 से जुड़ा है, जब राजपाल यादव ने अपनी फिल्म 'अता-पता लापता' के निर्माण के लिए मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से लगभग पांच करोड़ रुपये का लोन लिया था। फिल्म सफल नहीं रही और भुगतान में देरी होती गई। बाद में दिए गए कई चेक बाउंस हो गए, जिसके बाद नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत केस दर्ज किया गया। दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें कई मौके दिए, लेकिन भुगतान न होने पर नोटिस जारी कर 4 फरवरी तक सरेंडर करने का आदेश दिया था। अब इस मामले में अगली सुनवाई 16 फरवरी को तय है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

## लोकतंत्र का चौथा स्तंभ—जनता की उम्मीद का नाम पत्रकारिता

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनावों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों और स्वतंत्र पत्रकारिता से तय होती है। आज के दौर में जब आम आदमी को किसी कर्मचारी, अधिकारी या भ्रष्ट तंत्र से न्याय नहीं मिलता, तो उसकी पहली उम्मीद पत्रकार होता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को देश का "चौथा स्तंभ" कहा जाता है। समाज में पत्रकार की भूमिका केवल खबर लिखने तक सीमित नहीं है। वह जनता और शासन-प्रशासन के बीच सेतु का काम करता है। गांव-ढाणी से लेकर महानगर तक, जब कहीं अन्याय, शोषण या भ्रष्टाचार होता है, तो पीड़ित व्यक्ति मीडिया के दरवाजे पर दस्तक देता है। उसे भरोसा होता है कि उसकी आवाज अखबार की सुर्खियों, चैनलों की बहस या डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सत्ता तक पहुंचेगी। आज सूचना का युग है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने पत्रकारिता को और अधिक प्रभावी बनाया है। एक छोटी-सी खबर भी बड़े बदलाव की शुरुआत कर सकती है। कई बार प्रशासन तब जागता है, जब मामला मीडिया में उजागर होता है। यह पत्रकारिता की ताकत ही है कि वह सवाल पूछती है, जवाब मांगती है और जवाबदेही तय करती है। लेकिन इस ताकत के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। निष्पक्षता, सत्यता और जनहित—ये पत्रकारिता के मूल मूल्य हैं। यदि पत्रकार इन सिद्धांतों पर अडिग रहें, तो समाज में पारदर्शिता और न्याय की भावना मजबूत होती है। वहीं, अगर पत्रकारिता पक्षपात या दबाव में आ जाए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर पड़ सकती है। आज आवश्यकता है कि पत्रकार निडर होकर सच को सामने लाएं और समाज भी सच्ची पत्रकारिता का सम्मान करे। क्योंकि जब कलम ईमानदार होती है, तो व्यवस्था को झुकना पड़ता है। वास्तव में, पत्रकार केवल खबर नहीं लिखता, वह लोकतंत्र की सांसों को जीवित रखता है। जनता के विश्वास और साहस का नाम ही पत्रकारिता है—और यही उसकी असली ताकत है।

**विनोद सोखल**
**पत्रकार**
**श्रीगंगानगर**
**राजस्थान**

# असम की राजनीति में क्या चल रहा है?

असम की राजनीति इन दिनों तेज़ बहस और विवाद के दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक कथित विवादित वीडियो, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयानों, "घुसपैठ" और "असमिया अस्मिता" जैसे मुद्दों, तथा पहचान की राजनीति ने माहौल को गरमा दिया है। राज्य में राजनीतिक बयानबाज़ी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, चुनावी रणनीति और ऐतिहासिक अस्मिता का सवाल — सब एक साथ गड्डमड्ड होते दिखाई दे रहे हैं। यह पूरा परिदृश्य केवल एक घटना या बयान तक सीमित नहीं है, बल्कि असम के लंबे सामाजिक-राजनीतिक इतिहास, जनसांख्यिकीय बदलाव और चुनावी प्रतिस्पर्धा से गहराई से जुड़ा हुआ है। नीचे हम इस पूरे मुद्दे को संतुलित नज़रिए से समझने की कोशिश करते हैं।

**विवादित वीडियो और राजनीतिक तूफ़ान**

हाल में असम भाजपा के एक आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से साझा किए गए एक वीडियो को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हुआ। रिपोर्टों के मुताबिक, इस वीडियो में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को एयर राइफल चलाते हुए दिखाया गया था और इसे "घुसपैठ" तथा "असमिया पहचान की रक्षा" जैसे संदेश से जोड़ा गया। वीडियो पर आरोप लगा कि उसकी प्रस्तुति हिंसक और साम्प्रदायिक संकेत देने वाली थी। बाद में वह वीडियो हटा लिया गया। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि उन्हें ऐसे किसी वीडियो की जानकारी नहीं थी। विपक्षी दलों और कुछ नागरिक समूहों ने इस पर सवाल उठाए और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। कुछ लोगों ने अदालत का दरवाज़ा भी खटखटाया। यह घटना एक बड़ी बहस का कारण बनी — क्या चुनावी या राजनीतिक संदेश देने के लिए ऐसी प्रतीकात्मक हिंसक छवियों का इस्तेमाल जायज़ है? क्या इससे समाज में अविश्वास और तनाव बढ़ता है? या इसे समर्थक सिर्फ "राजनीतिक मैसेजिंग" का हिस्सा मानते हैं? यही बहस असम की मौजूदा राजनीति का केंद्र बन गई है।

**"मियां", "घुसपैठ" और भाषा की सियासत**

असम की राजनीति में भाषा और पहचान का सवाल नया नहीं है। "मियां" शब्द, जो बंगाली-भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होता रहा है, आज राजनीतिक विवाद का विषय बन चुका है। आलोचकों का कहना है कि इसे अपमानजनक संदर्भ में प्रयोग किया जा रहा है, जबकि कुछ समर्थक इसे सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा शब्द बताते हैं। मुख्यमंत्री सरमा के कुछ बयानों — जिनमें "घुसपैठ", जनसंख्या असंतुलन और सांस्कृतिक खतरे की बात की गई — को विपक्ष ने विभाजनकारी बताया है। वहीं भाजपा और उसके समर्थक कहते हैं कि वे अवैध प्रवासन और संसाधनों पर दबाव जैसे वास्तविक मुद्दे उठा रहे हैं। यहाँ असली सवाल शब्दों का नहीं, बल्कि उनके असर का है। जब राजनीतिक भाषा तीखी होती है, तो उसका असर ज़मीन पर रिश्तों और सामाजिक भरोसे पर पड़ता है। असम जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां पहले भी पहचान आधारित आंदोलनों का इतिहास रहा है, भाषा का चयन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

**असम का ऐतिहासिक संदर्भ: "बाहरी" बनाम "स्थानीय"**

असम में "बाहरी" लोगों को लेकर असंतोष का इतिहास दशकों पुराना है। 1979 से 1985 तक चला असम आंदोलन इसी मुद्दे पर आधारित था — अवैध प्रवासन, मतदाता सूची और स्थानीय पहचान की रक्षा। असम समझौते (Assam Accord) के बाद भी यह मुद्दा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। बांग्लादेश से अवैध प्रवासन का सवाल लंबे समय से चुनावी मुद्दा रहा है। NRC (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स) और नागरिकता संशोधन कानून (CAA) पर भी

राज्य में तीखी प्रतिक्रिया देखी गई। दिलचस्प बात यह रही कि NRC का समर्थन और विरोध — दोनों तरह की भावनाएं अलग-अलग समुदायों में दिखीं। आज भी जब "घुसपैठ" का मुद्दा उठता है, तो वह केवल सुरक्षा या कानूनी सवाल नहीं रहता — वह सीधा पहचान, जमीन, रोजगार और संस्कृति के डर से जुड़ जाता है। राजनीतिक दल इसी संवेदनशील बिंदु को अपने-अपने तरीके से छूते हैं।

**चुनावी रणनीति और ध्रुवीकरण**

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ध्रुवीकरण चुनावी रणनीति का एक प्रभावी, मगर जोखिम भरा औज़ार बन चुका है। जब विकास, महंगाई, बेरोज़गारी या भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर घेराबंदी होती है, तब पहचान आधारित मुद्दे तेज़ी से उभारे जाते हैं — यह आरोप अक्सर विपक्ष लगाता है। हिमंत बिस्वा सरमा को भाजपा का एक कुशल चुनाव प्रबंधक माना जाता है, खासकर उत्तर-पूर्व भारत में पार्टी के विस्तार का श्रेय उन्हें दिया जाता है। उनके समर्थक कहते हैं कि वे "सीधी बात" करने वाले नेता हैं जो कठिन मुद्दों से बचते नहीं। आलोचक कहते हैं कि उनकी शैली टकराव पैदा करती है। सच्चाई शायद बीच में है — आक्रामक राजनीतिक शैली समर्थकों को मजबूत करती है, लेकिन विरोधियों को भी उतना ही सक्रिय कर देती है। इससे चुनावी लाभ तो मिल सकता है, पर सामाजिक दूरी भी बढ़ सकती है।

**भ्रष्टाचार के आरोप और राजनीतिक पलटवार**

मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर समय-समय पर विपक्षी दलों द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाते रहे हैं। भाजपा इन आरोपों को राजनीतिक प्रेरित बताती है और कहती है कि कोई भी आरोप साबित नहीं हुआ। भारतीय राजनीति में यह पैटर्न नया नहीं — आरोप और जवाबी आरोप साथ-साथ चलते हैं। लेकिन जब आरोपों के साथ सांप्रदायिक या पहचान आधारित बयानबाज़ी भी जुड़ जाए, तो बहस और तेज़ हो जाती है। जनता के एक हिस्से को लगता है कि असली मुद्दों से ध्यान हटाया जा रहा है; दूसरे हिस्से को लगता है कि असली मुद्दे वही हैं जिन्हें उठाया जा रहा है।

**कांग्रेस से भाजपा तक: सरमा का राजनीतिक सफ़र**

हिमंत बिस्वा सरमा का राजनीतिक सफर भी चर्चा का विषय रहा है। वे लंबे समय तक कांग्रेस में रहे और बाद में भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व से असहमति और उपेक्षा की भावना के कारण उन्होंने पार्टी छोड़ी। राजनीति में दल-बदल नई बात नहीं, लेकिन जब कोई नेता पार्टी बदलकर नई पार्टी का प्रमुख चेहरा बन जाए, तो उसे "अवसरवाद" या "व्यावहारिक राजनीति" — दोनों नज़रियों से देखा जाता है। भाजपा के लिए वे उत्तर-पूर्व में विस्तार का अहम चेहरा बने, यह तथ्य निर्विवाद है।

**"सेकुलर" राजनीति की चुनौती**

इस पूरे घटनाक्रम में एक और बहस उभरती है — क्या खुद को सेकुलर कहने वाली राजनीति प्रभावी जवाब देने में कमजोर पड़ रही है? विपक्षी दलों पर आरोप है कि वे स्पष्ट वैचारिक रुख लेने से बचते हैं, क्योंकि उन्हें बहुसंख्यक वोट खिसकने का डर रहता है। दूसरी ओर, भाजपा पर आरोप लगता है कि वह बहुसंख्यक पहचान को संगठित राजनीतिक ताकत में बदलने की रणनीति पर काम करती है। यह खींचतान केवल असम तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का भी हिस्सा है।

**सोशल मीडिया: नया रणक्षेत्र**

सोशल मीडिया आज राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने का सबसे तेज़ माध्यम बन चुका है। वीडियो, क्लिप, ग्राफिक्स और छोटे संदेश — सब मिलकर भावनात्मक असर पैदा करते हैं। कई बार आधी-अधूरी जानकारी भी वायरल होकर धारणा बना देती है। असम का हालिया विवाद भी इसी डिजिटल राजनीति का उदाहरण है। सवाल उठता है — क्या राजनीतिक दलों को अपने डिजिटल कंटेंट के लिए सख्त आचार-संहिता अपनानी चाहिए? क्या चुनाव आयोग या अदालतों को इस पर स्पष्ट गाइडलाइन देनी चाहिए? यह बहस अब तेज़ हो रही है।

**आगे क्या?**

असम आने वाले चुनावों की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में पहचान, प्रवासन, भाषा और धर्म के मुद्दे और उभरेंगे — इसकी पूरी संभावना है। राजनीतिक दल अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। लेकिन असली चुनौती यह है कि क्या विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाढ़ नियंत्रण, रोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मुद्दे केंद्र में रह पाएंगे? या वे फिर से भावनात्मक और पहचान आधारित बहसों के नीचे दब जाएंगे? असम की राजनीति इस समय एक मोड़ पर खड़ी है। एक तरफ मजबूत नेतृत्व, आक्रामक चुनावी रणनीति और पहचान की राजनीति है; दूसरी तरफ सामाजिक सद्भाव, संवैधानिक मर्यादा और संतुलित संवाद की ज़रूरत। किसी भी लोकतंत्र में तीखी बहस बुरी नहीं — लेकिन बहस अगर नफरत, डर और विभाजन की तरफ झुक जाए, तो लोकतांत्रिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचता है। असम का भविष्य केवल चुनावी जीत से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि वहां की राजनीति समाज को जोड़ती है या और ज्यादा बांटती है। राजनीति से बेहतर की उम्मीद रखना नागरिक का हक भी है और जिम्मेदारी भी।

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर विशेष

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार जो समय से आगे थे, मार्ग जो आज भी प्रकाशमान है

भारतीय जनजीवन, राजनीति और वैचारिक परंपरा में कुछ ऐसे व्यक्तित्व हुए हैं जिनकी पहचान केवल एक राजनीतिक नेता के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी चिंतक और समाजद्रष्टा के रूप में होती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसा ही एक नाम है। उनकी पुण्यतिथि हमें सिर्फ एक नेता को याद करने का अवसर नहीं देती, बल्कि उनके विचारों, दर्शन और उस रास्ते को समझने का मौका देती है जिसे उन्होंने भारत के भविष्य के लिए प्रस्तावित किया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन सादगी, सेवा, संगठन और सिद्धांतों के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। उन्होंने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम माना। उनका दिया हुआ "एकात्म मानववाद" का सिद्धांत आज भी भारत की विकास यात्रा और सामाजिक सोच में मार्गदर्शक के रूप में देखा जाता है।

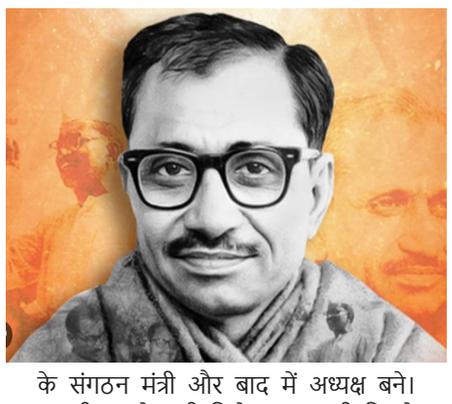

**प्रारंभिक जीवन: संघर्ष से संस्कार तक**

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में हुआ। बचपन से ही उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा। कम उम्र में ही माता-पिता का निधन हो गया। अनाथ अवस्था में उन्होंने रिश्तेदारों के सहारे शिक्षा प्राप्त की। कठिन परिस्थितियों के बावजूद वे पढ़ाई में बेहद तेज थे। उन्होंने राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई की और हर जगह अपनी मेधा का परिचय दिया। उनके जीवन का यह संघर्ष ही आगे चलकर उनके विचारों में आम आदमी के दर्द और समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति संवेदना के रूप में दिखाई देता है।

**संगठन जीवन और राष्ट्र सेवा**

छात्र जीवन में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया। प्रचारक जीवन का मतलब था — बिना निजी संपत्ति, बिना पारिवारिक दायित्व, पूरी तरह समाज के लिए समर्पित जीवन। उनकी संगठन क्षमता, सरल व्यवहार और गहरी वैचारिक समझ ने उन्हें जल्द ही एक प्रभावी कार्यकर्ता बना दिया। वे मानते थे कि राष्ट्र निर्माण केवल भाषणों से नहीं, बल्कि जमीनी संगठन और चरित्र निर्माण से होता है।

**जनसंघ और राजनीतिक भूमिका**

1951 में जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, तब पंडित दीनदयाल उपाध्याय को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। वे लंबे समय तक पार्टी के संगठन मंत्री और बाद में अध्यक्ष बने। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे पर्दे के पीछे रहकर संगठन खड़ा करने वाले नेता थे। उन्होंने जनसंघ को विचार, नीति और कैडर आधारित पार्टी के रूप में विकसित किया। आज की भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक जड़ों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का बड़ा योगदान माना जाता है।

**एकात्म मानववाद: उनका मूल दर्शन**

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सबसे बड़ा वैचारिक योगदान है — "एकात्म मानववाद"। यह केवल राजनीतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन और समाज को देखने का एक समग्र दृष्टिकोण है। एकात्म मानववाद का मूल विचार यह है कि मनुष्य को केवल आर्थिक प्राणी मानकर विकास नहीं किया जा सकता। मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा — इन चारों का समन्वित रूप है। इसलिए विकास भी ऐसा होना चाहिए जो इन चारों स्तरों पर संतुलन बनाए। उन्होंने पश्चिमी विचारधाराओं — पूंजीवाद और साम्यवाद — दोनों की सीमाओं की ओर संकेत किया। उनका कहना था कि पूंजीवाद व्यक्ति को केवल उपभोक्ता बनाता है और साम्यवाद व्यक्ति की स्वतंत्रता को दबा देता है। भारत को अपनी सांस्कृतिक जड़ों के आधार पर तीसरा रास्ता चुनना चाहिए — जो मानव केंद्रित और संतुलित हो।

**अंत्योदय का सिद्धांत: अंतिम व्यक्ति तक विकास**

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एक और महत्वपूर्ण विचार था — "अंत्योदय", यानी समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय। उनका मानना था कि किसी भी नीति या योजना की सफलता का माप यह होना चाहिए कि उसका लाभ समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुंचा या नहीं। वे कहते थे कि जब तक आखिरी पंक्ति में खड़ा व्यक्ति ऊपर नहीं उठेगा, तब तक राष्ट्र का विकास अधूरा रहेगा। आज सरकारों की कई योजनाओं में "लास्ट माइल डिलीवरी" और "इन्क्लूसिव डेवलपमेंट" जैसी बातें होती हैं — इनका वैचारिक बीज अंत्योदय के विचार में देखा जा सकता है।

**आर्थिक सोच: स्वदेशी और संतुलन**

पंडित जी की आर्थिक सोच भी अपने समय से आगे थी। वे अंधाधुंध औद्योगीकरण या विदेशी मॉडल की नकल के पक्ष में नहीं थे। वे स्वदेशी, विकेंद्रीकरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर देते थे। उनका मानना था कि गांव और छोटे उद्योग भारत की असली ताकत हैं। अगर विकास का मॉडल ऐसा होगा जो केवल बड़े शहरों और बड़े उद्योगों को बढ़ाए, तो असमानता बढ़ेगी। इसलिए उन्होंने संतुलित, मानव-केंद्रित और स्थानीय जरूरतों पर आधारित अर्थव्यवस्था की वकालत की।

**सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा**

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उनके लिए राष्ट्र केवल राजनीतिक सीमा नहीं, बल्कि साझा संस्कृति, परंपरा, मूल्य और जीवन शैली का जीवंत रूप था। वे मानते थे कि भारत की एकता उसकी विविधता में छिपी है, लेकिन इस विविधता को जोड़ने वाली सांस्कृतिक आत्मा एक है। इसी कारण वे शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को राजनीति से अलग नहीं मानते थे।

**राजनीति में नैतिकता और सादगी**

आज जब राजनीति पर अक्सर अवसरवाद, दिखावा और सत्ता-लालसा के आरोप लगते हैं, तब पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन एक अलग मिसाल पेश करता है। वे अत्यंत सादगी से जीवन जीते थे। निजी संपत्ति लगभग नहीं के बराबर थी। वे मानते थे कि राजनीति सेवा का माध्यम है, करियर नहीं। उनके भाषणों और लेखों में नैतिकता, कर्तव्य और चरित्र पर बार-बार जोर मिलता है। उनका कहना था — अगर व्यक्ति का चरित्र मजबूत नहीं, तो कोई भी व्यवस्था टिकाऊ नहीं हो सकती।

**लेखक और विचारक के रूप में योगदान**

पंडित जी केवल संगठनकर्ता नहीं, बल्कि गंभीर लेखक और चिंतक भी थे। उन्होंने अनेक लेख और भाषणों के माध्यम से भारतीय राजनीति और समाज के लिए वैचारिक दिशा देने की कोशिश की। उनकी भाषा सरल, स्पष्ट और तर्कपूर्ण होती थी। वे कठिन विषयों को भी आम आदमी की समझ में आने वाली ज़बान में समझाते थे। यही कारण है कि उनके विचार केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि कार्यकर्ताओं और समाज में भी फैले।

# महिला हिंसा घर का मामला नहीं होता है

**-जिया कर्मियाल**

"हम औरतों की बहुत इज्जत करते हैं।" जखेड़ा गांव में यह वाक्य कई बार सुनने को मिला। पुरुषों के लिए यह एक सामान्य वाक्य था, लेकिन महिलाओं की खामोशी इसके बिल्कुल उलट कहानी कह रही थी। बातचीत के दौरान जैसे ही शारीरिक हिंसा का विषय आया, महिलाओं के शब्द रुक गए और आवाज़ धीमी हो गई। जैसे वह इस शब्द का अर्थ अच्छे से समझ रही हों, लेकिन समाज का डर उन्हें इस पर बात करने से रोक रहा था। उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक के जखेड़ा गांव में जब मैंने महिलाओं से लैंगिक हिंसा पर बात की तो शुरुआत में उन्होंने कहा कि "थोड़ी-बहुत होती है", लेकिन उनके चेहरे और हावभाव बता रहे थे कि सच्चाई इससे कहीं ज़्यादा गहरी है। वे खुलकर बात करने से डर रही थीं। वहीं जब पुरुषों से इस विषय पर सवाल किया गया, तो उनका जवाब लगभग एक-सा था "हम अपनी औरतों की बहुत इज़्ज़त करते हैं, उन्हें पूरी आज़ादी दी है।" इस विषय पर मैंने करीब छह परिवारों से बातचीत की, लेकिन शारीरिक हिंसा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर कोई खुलकर बोलने को तैयार नहीं था। ऐसा लग रहा था मानो यह विषय गांव वालों के लिए असहज कर देना वाला हो, जिस पर सवाल उठाना अनुचित है।

पहाड़ी क्षेत्रों से घिरे इस गांव की आबादी लगभग 600 के करीब है. आर्थिक रूप से कमजोर यह गांव शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत अधिक समृद्ध नहीं है. गांव की अधिकतर आबादी कृषि पर निर्भर है. सरकारी सेवा में उपस्थिति लगभग नगण्य है. किसानी के अलावा अधिकतर युवा सेना में कार्यरत हैं. वहीं 12 वीं के बाद ज़्यादातर लड़कियों की शादी कर दी जाती है. ऐसे में उच्च शिक्षा के क्षेत्र इस गांव की बहुत कम लड़कियां पहुंच पाती हैं. बालिका शिक्षा का कम दर ही लैंगिक हिंसा को उभरने का मौका देता है। अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर हिम्मत करके एक महिला ने बताया कि कुछ माह पहले उनके गांव में एक महिला के साथ गंभीर शारीरिक हिंसा हुई थी। महिला का पति शराब पीकर घर आया और उसने अपनी पत्नी को बुरी तरह मारा, जिससे उसकी आँख के नीचे गंभीर चोट आई थी। इस हिंसा के बाद वह महिला अपने मायके चली गई। यह घटना गांव के कई लोगों को पता थी, लेकिन इस पर खुलकर चर्चा किसी ने नहीं की। जखेड़ा गांव में बातचीत से यह भी महसूस हुआ कि सामान्य समस्याओं पर तो लोग खुलकर बातचीत करते हैं, समाधान खोजने का प्रयास करते हैं, लेकिन जैसे ही

बात महिलाओं पर होने वाली हिंसा की आती है, या तो खामोशी छा जाती है या फिर इसे स्वीकार करने से ही इंकार कर देते हैं। जाहिर है कि यह इंकार पुरुषों की तरफ से आया था। लेकिन महिलाओं की खामोशी सच को बयां करने के लिए काफी था। शायद उनकी इस चुप्पी के पीछे जागरूकता की कमी, सामाजिक दबाव और बदनामी का डर होगा। 35 वर्षीय एक महिला हर्षिता देवी (बदला हुआ नाम) बताती हैं, "हमने अपने आसपास शराब के नशे में पुरुषों द्वारा महिलाओं को मारते देखा है। कभी घर वालों के सामने तो कभी बच्चों के सामने ही पति को पत्नी पर हाथ उठाते हुए देखा है।" उनका यह बयान बताता है कि हिंसा कोई छुपी हुई घटना नहीं है, बल्कि यहां की महिलाओं की रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन चुकी है, बस पुरुष समाज द्वारा उस पर पर्दा डाल दिया गया है। इसी तरह सुनीता देवी (बदला हुआ नाम) की कहानी और भी डरावनी है। उनके पति राजू शराब पीकर उन्हें मारता था और बच्चों के साथ भी हिंसा करता था। उनके दो बच्चे हैं एक सात साल का और दूसरा पाँच साल का। एक दिन उनके पति ने उन्हें और बच्चों को घर से निकाल दिया। वे दो दिन तक लापता रहीं। पति ने पुलिस में केस किया, लेकिन तब भी पत्नी का कोई पता नहीं चला। बाद में यह पता चला कि वे बागेश्वर में किसी रिश्तेदार के यहां शरण लिए हुए हैं। सुनीता देवी ने हेल्पलाइन पर कई बार मदद के लिए फोन भी किया, लेकिन उन्हें वहां से भी कोई ठोस सहायता नहीं मिली। हालात इतने बदतर हो गए कि एक दिन वह आत्महत्या के इरादे से अपने बच्चों को लेकर नदी की ओर जाने लगीं। सौभाग्य से एक रिश्तेदार ने समय रहते उन्हें रोक लिया। इस पूरे मामले में यह पता चला कि उनका पति राजू पहले भी मारपीट के मामले में जेल जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। यह कहानी सिर्फ एक महिला की नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता की कहानी है, जहाँ हिंसा झेल रही महिला को समय पर सुरक्षा और सहयोग नहीं मिल दे पाता है। अगर हम इन अनुभवों को व्यापक संदर्भ में देखें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल घरेलू हिंसा के हजारों केस दर्ज होते हैं। देशभर में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों की संख्या चार लाख से अधिक है। यह वह आंकड़े हैं जो रिपोर्टों में दर्ज होते हैं, जबकि अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को घर का मामला बता कर दर्ज किया ही नहीं जाता है। उत्तराखंड जैसे शांत और पहाड़ी राज्य की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। यहां दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और यौन अपराधों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य में हर साल सैकड़ों ऐसे मामले सामने आते हैं, जो बताते हैं कि प्राकृतिक सुंदरता के बीच भी महिलाओं की ज़िंदगी सुरक्षित नहीं कही जा सकती है। इन आंकड़ों और जमीनी अनुभवों को जोड़कर देखें, तो यह साफ होता है कि समस्या कानून की कमी की नहीं, बल्कि कार्यान्वयन, सामाजिक सोच और चुप्पी की संस्कृति की है। जब तक हिंसा को "घर का मामला" कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक महिलाएं न्याय और सुरक्षा से दूर ही रहेंगी। सवाल उठता है कि क्या महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए, अपने सम्मान के लिए और अपनी सुरक्षा के लिए खुद खड़े होने का पूरा मौका मिलता है? और सबसे अहम सवाल क्या हमारे समाज में महिलाएं कभी सच में हिंसा मुक्त जीवन जी पाएंगी?

**(यह लेखिका के निजी विचार हैं)**

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर विकास की नई ऊंचाइयों पर

## - बजट बूस्ट से विरासत को सहेजकर विकास की ओर अग्रसर होगा जयपुर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का बजट राजधानी जयपुर के लिए विकास की नई इबारत लिखने जा रहा है। जनआकांक्षाओं को समर्पित इस बजट में विरासत संरक्षण से लेकर आधुनिक आधारभूत संरचना, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक विकास तक समग्र प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता और स्पष्ट विजन के परिणामस्वरूप जयपुर अब सुनियोजित, संतुलित और सर्वांगीण विकास की दिशा में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा। वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का बजट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं बल्कि जनभावनाओं, जनअपेक्षाओं और जनआकांक्षाओं को साकार करने का रोडमैप है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रस्तुत इस जनकल्याणकारी बजट में राजधानी जयपुर को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली अनेक ऐतिहासिक घोषणाएं की गई हैं। प्रदेश में आवागमन को सुगम बनाने हेतु लगभग 1800 करोड़ रुपये की लागत से राज्य राजमार्ग, आरओबी, आरयूबी, फ्लाइओवर, एलिवेटेड रोड एवं ब्रिज निर्माण कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। जयपुर जिले में विद्याधरनगर में 20 करोड़ रुपये से विभिन्न सड़क विकास कार्य, वैशाली नगर में 5 करोड़ रुपये से मुख्य मार्गों का सौंदर्यकरण, आमेर, चौमूं, दूदू, जमवारामगढ़, झोटवाड़ा, सांगानेर, चाकसू एवं बगरू सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों के लिए करोड़ों रुपये का प्रावधान किया गया है। दूदू से लालसोट वाया फागी-चाकसू-तूंगा 675 करोड़ रुपये की लागत से 135 किलोमीटर लंबा राज्य राजमार्ग विकसित किया जाएगा तथा जयपुर जिले में 9 आरओबी एवं आरयूबी बनाए जाएंगे। जयपुर शहर के यातायात प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप देने के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। 560 करोड़ रुपये की लागत से अरण्य भवन से जगतपुरा आरओबी तक 4.40 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड का निर्माण होगा। पुरानी चुंगी, अजमेर रोड पर अंडरपास निर्माण, 30 करोड़ रुपये से यातायात सुरक्षा कार्य, बेनाड़ रोड, कालवाड़ रोड, खातीपुरा रोड एवं मानसरोवर में सेक्टर सड़क विकास तथा व्यापक ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने

के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पेयजल उपलब्धता को सुदृढ़ बनाने के लिए 650 करोड़ रुपये की लागत से सूरजपुरा से चाकसू तक नई ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण किया जाएगा, जिससे चाकसू, बस्सी सहित 1092 गांवों की लगभग 20 लाख आबादी को लाभ मिलेगा। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट से निपटने हेतु 600 ट्यूबवेल एवं 1200 हैंडपंप लगाए जाएंगे तथा प्रत्येक जिला कलक्टर को समर कंटिजेंसी हेतु 1 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। जयपुर में 10 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ ऐक्सिलेंस फॉर वाटर मैनेजमेंट की स्थापना भी की जाएगी। विद्युत तंत्र के विस्तार हेतु मंडा (चौमूं) में 220 केवी जीएसएस, बगरू रवाण में 132 केवी जीएसएस तथा मुहाना, सामोद एवं साली में 33/11 केवी जीएसएस स्थापित किए जाएंगे। औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए फागी, चौमूं, मौजमाबाद एवं दूदू में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे तथा बिचून, विश्वकर्मा, सीतापुरा एवं ईपीआईपी सहित औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु 1000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। शिक्षा एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बगरू महाविद्यालय को यूजी से पीजी में क्रमोन्नत किया जाएगा। साइंस पार्क जयपुर में स्पेस गैलरी एवं चिल्ड्रन गैलरी का निर्माण होगा। खेल अधोसंरचना के विकास हेतु महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है तथा चित्रकूट स्टेडियम में विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे। चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के अंतर्गत एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन मेंटल हेल्थ की स्थापना, जेके लोन चिकित्सालय में 75 करोड़ रुपये की लागत से 500 बेड का आईपीडी टावर एवं पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी विभाग की स्थापना, आयूएचएस चिकित्सालय में 200 बेड का पेडियाट्रिक आईपीडी एवं आईसीयू विकास तथा एसएमएस अस्पताल में 12 मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर स्थापित किए जाएंगे। विभिन्न क्षेत्रों में नए स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण एवं उन्नयन भी किया जाएगा। पर्यटन एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के तहत आमेर किले एवं आमेर कस्बे में 50 करोड़ रुपये से विश्वस्तरीय पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। रायसर जमवारामगढ़ स्थित बाकी माता मंदिर में रोप-वे निर्माण तथा जवाहर कला केन्द्र में 15 करोड़ रुपये से शिल्पग्राम का नवनिर्माण किया जाएगा। राजस्थान मंडपम के साथ विश्वस्तरीय एग्जिबिशन स्पेस का निर्माण भी प्रस्तावित है। प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत सांगानेर में मिनी सचिवालय का निर्माण, राजस्थान विधानसभा में सेंट्रल हॉल, शासन सचिवालय उन्नयन, हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान में हॉस्टल निर्माण तथा विभिन्न क्षेत्रों में नई पुलिस चौकियों एवं थानों की स्थापना की जाएगी। वित्त वर्ष 2026-27 का यह बजट जयपुर जिले को आधुनिक, सुव्यवस्थित, सुरक्षित, औद्योगिक रूप से सशक्त और पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध महानगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में यह जनहितैषी बजट राजधानी जयपुर को विकास की नई पहचान प्रदान करेगा।

## जयपुर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई:

# अतिक्रमण हटाया, 73,200 रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 10 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में अवधपुरी शमशान घाट के सामने धावास, अक्षयपात्र जगपुरा रोड़, महल रोड़ एवं सेक्टर 26 प्रताप नगर, बड़ी चैपड़, त्रिपोलिया बाजार, चैड़ा रास्ता, छोटी चैपड़, चांदपोल बाजार, किशनपोल रोड, सांगानेरी गेट, अजमेर रोड, एम.आई. रोड, एन.बी.सी. रोड, बापू बाजार, सिविल लाइन मेट्रो स्टेशन क्षेत्र, सिंधी कैंप, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन, न्यू सांगानेर रोड, मोती नगर गुर्जर की थड़ी, न्यू आतिश मार्केट, होटल देव विलास के पीछे, सूरजपोल गेट, गलता गेट, दिल्ली बायपास रोड, ब्रह्मपुरी, रामगढ़ मोड़, नाहरगढ़ रोड से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 10 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 73 हजार 200 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

# विधानसभा क्षेत्र धोद में 282 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित - उपमुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि विधान सभा क्षेत्र धोद में कुल 282 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं,जिनमें से 62 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वयं के भवनों में, 22 किराये के भवनों में, 142 विद्यालयों में, 48 अन्य राजकीय भवनों में एवं 8 निजी निःशुल्क भवनों में संचालित हैं। उन्होंने बताया कि 2 आंगनबाड़ी केन्द्रों सांवलोदा पुरोहितान एवं सांवलोदा लाडखानी के भवन निर्माणाधीन हैं। उप मुख्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य गोरधन द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने के लिए निर्धारित मापदण्ड तय किये गए हैं। इसके तहत 400 से 800 की आबादी पर एक आंगनबाड़ी केन्द्र खोला जाता है। इसी प्रकार 800 से 1600 की आबादी पर 2 केन्द्र, 1600 से 2400 की आबादी पर 3 केन्द्र तथा इसके पश्चात् प्रत्येक 800 के गुणक पर एक आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने

का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि जनजातीय इलाकों, पहाड़ी, मरुस्थलीय एवं दुर्गम स्थानों पर 300 से 800 की आबादी पर एक आंगनबाड़ी केन्द्र खोला जाता है। एक केन्द्र के लिए न्यूनतम 600 वर्ग फीट भूमि की अनिवार्यता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के नवीन भवनों का निर्माण नरेगा योजना के अन्तर्गत कन्वर्जेन्स के माध्यम से करवाया जा रहा है। केन्द्र सरकार के नियमों के अनुसार एक भवन के निर्माण के लिए 12 लाख रुपये की राशि निर्धारित है। इसमें से 2 लाख रुपये विभाग द्वारा, 8 लाख नरेगा कन्वर्जेन्स के माध्यम से तथा शेष 2 लाख रुपये 15वें वित्त आयोग या जिला परिषद के अन्य किसी अनटाइड फण्ड से लिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र धोद में वर्तमान में 11 राजस्व ग्रामों में आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित नहीं है। केन्द्र नहीं होने की स्थिति में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से सुविधाएं दी जाती हैं। इससे पहले विधायक गोरधन के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उप मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने कहा कि सरकार विभागीय भवन के अलावा अन्य राजकीय अथवा किराये के भवनों में संचालित किये जाने वाले आंगनबाडी केन्द्रों के लिए पृथक भवन निर्माण करवाने का विचार रखती है। नवीन भवन निर्माण स्थानीय निकाय अथवा ग्राम पंचायत से निःशुल्क भूमि आवंटन होने तथा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता एवं कार्य की परस्पर प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाना निर्भर करता है। वर्तमान में नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। नवीन आंगनबाडी केन्द्र खोलने हेतु परीक्षण करवाया जाकर गुणावगुण एवं बजट की उपलब्धता के आधार पर पारस्परिक प्राथमिकतानुसार निर्णय किया जाता है।

# डिजिटल क्राफ्ट में जयपुर की दो बहनों की बड़ी उपलब्धि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर की तहरीन खानम और फरहीन खानम ने आर्ट एंड क्राफ्ट के क्षेत्र में डिजिटल माध्यम से उल्लेखनीय सफलता हासिल कर शहर का नाम देश-दुनिया में रोशन किया है। तहरीन खानम के यूट्यूब चैनल पर 13 मिलियन (1.3 करोड़) से अधिक सब्सक्राइबर्स जुड़ चुके हैं। उन्हें आर्ट एंड क्राफ्ट श्रेणी में भारत में पहला और वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें स्टार आइकॉनिक इंडिया'स बिगेस्ट यूट्यूबर अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं फरहीन खानम भी तेजी से पहचान बना रही हैं। उनके चैनल से 1.1 मिलियन (11 लाख) से अधिक लोग जुड़े हैं। कला के प्रति उनके समर्पण को

देखते हुए उन्हें स्टार आइकॉनिक आर्ट एंड क्राफ्ट ऑफ द ईयर अवार्ड दिया गया है। दोनों बहनों ने बिना चेहरा दिखाए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी कला प्रस्तुत कर यह साबित किया कि मेहनत और रचनात्मकता के दम पर अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई जा सकती है।

# स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती मनाई

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर में महान समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती मनाई गई इस दौरान यादव समाज मनोहरपुर के नगर अध्यक्ष महेश जड़वाल ने उनके जन्मदिन के साथ-साथ अपनी पोती दीपांशी जड़वाल का भी जन्मदिन मनाया। इसके तहत गायों को हरा चारा और छोटे बच्चों को फल वितरित किए गए, इस दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष अलादीन खान, सेवादल अध्यक्ष एवं ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता राकेश हलकारा, पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, महेश जड़वाल, घोलाराम यादव, ओमप्रकाश चौधरी, हनुमान यादव, राकेश सैनी, रवि मीणा, महावीर सैनी, सुमन कुमावत, मंजू यादव, कोमल शर्मा, अनीता शर्मा, कोमल यादव, ममता शर्मा, सुनीता वर्मा आदि उपस्थित रहे।

# जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 22वां दीक्षांत समारोह आयोजित

## -"ज्ञान को कर्म में बदलें, यही दीक्षांत का सच्चा संदेश"— राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के नए चरण की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान को कर्म में बदलते हुए राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें। राज्यपाल ने कहा कि जिस समाज में बेटियां आगे बढ़ती हैं, वही समाज तेजी से विकास करता है—यह गर्व का विषय है कि आज स्वर्ण पदकों में बड़ी संख्या में बेटियां अग्रणी रही हैं। राज्यपाल बागडे गुरुवार को जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की शिक्षा परंपरा सदियों से समग्र विकास, नैतिक मूल्यों और आत्मबोध पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि हमारे वेद, उपनिषद और गुरुकुल प्रणाली ने केवल विद्या नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा दी है। विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि

वे आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय करें। इससे विद्यार्थी केवल कुशल पेशेवर ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए वैश्विक मंच पर भारत का नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि आज का युग सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 'बोधन एआई स्टैक' जैसी पहल शिक्षा के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करेगी, जिससे विद्यार्थियों को अपनी भाषा में इंटरएक्टिव शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध होगी। साथ ही उन्होंने आगाह किया कि एआई मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं ले सकती, इसे संदर्भ के रूप में उपयोग करें, पर बौद्धिक क्षमता का विकास स्वयं करें। उन्होंने "राष्ट्र प्रथम" की सोच के साथ जीवन का ध्येय निर्धारित करने और "विकसित भारत 2047" के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। समारोह में कुल 52,682 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं तथा 59 स्वर्ण पदक वितरित किए गए।

# सक्षम जयपुर अभियान के तहत हुआ आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा सक्षम जयपुर अभियान के अंतर्गत साथिनों के लिए एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्यरत साथिनों को विभागीय योजनाओं, नियमों एवं अधिनियमों की अद्यतन एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना है। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में 12 फरवरी को पंचायत समिति मुख्यालय दूदू एवं बस्सी पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पंचायत समिति दूदू, मौजमाबाद, फागी, माधोराजपुरा तथा बस्सी, तुंगा, आंधी एवं जमवारामगढ़ क्षेत्र की साथिनों ने सहभागिता की। उन्होंने बताया कि सक्षम जयपुर अभियान के तहत आयोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वर्क फ्रॉम होम योजना, मुख्यमंत्री उद्यम प्रोत्साहन योजना, कालीबाई भील उड़ान योजना सहित विभिन्न महिला हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही संबंधित अधिनियमों एवं नियमों की समझ विकसित कराई जा रही है, ताकि साथिनें अपने-अपने क्षेत्र में पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभा सकें। वर्क फ्रॉम होम योजना से संबंधित उद्यमी संस्थाओं को भी आमंत्रित किया

गया, जिन्होंने स्वरोजगार के अवसरों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि 13 फरवरी को चौमूं पंचायत समिति मुख्यालय एवं आमेर स्थित वन स्टॉप सेंटर पर पंचायत समिति जालसू, गोविंदगढ़, झोटवाड़ा, शाहपुरा, आमेर एवं जमवारामगढ़ क्षेत्र की साथिनों के लिए कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वहीं दिनांक 16 फरवरी 2026 को जोबनेर, सांगानेर एवं चाकसू पंचायत समिति मुख्यालयों पर पंचायत समिति जोबनेर, सांभर, किशनगढ़ रेनवाल, चाकसू, कोटखावदा एवं सांगानेर क्षेत्र की साथिनों के लिए आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यशालाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को गति प्रदान करते हुए पात्र महिलाओं तक योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

# जयपुर पुलिस आयुक्त 14 फ़रवरी को एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा पर करेंगे जनसुनवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम एवं शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल 14 फरवरी (शनिवार) को दोपहर 12 से 2 बजे तक एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा में उपस्थित रह कर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान झोटवाड़ा सर्किल के पुलिस थाने झोटवाड़ा,करधनी,खोराबीसल, कालवाड़ एवं मुरलीपुरा क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

# विद्याधर नगर राजकीय कॉलेज में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा चित्रकला प्रतियोगिता में विजेताओं को किया सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर, जयपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (शून्य मृत्यु माह) के तहत 'सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन' थीम पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रहलाद सहाय बुनकर की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषयक प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागियों को आरटीओ इंस्पेक्टर श्रीचंद ढाका व राजकीय मूक बधिर कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सोहनलाल के आतिथ्य में पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा संबंधी आवश्यक कानूनी एवं व्यावहारिक प्रावधानों पर विस्तार से बात करते हुए बताया कि आखिर किन कारणों से सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं तथा इनको रोकने के क्या उपाय किए जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं को हम व्यक्तिगत, सामूहिक प्रयासों से एवं यातायात नियमों

का पालन करते हुए काफी हद तक कम कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के यातायात चिह्नों व संकेतों के संबंध में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी प्रदान कर उन्हें लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की कई व्यावहारिक जिज्ञासाओं के संबंध में भी आवश्यक जानकारी देकर जीवन रक्षा के उपायों की चर्चा की। इस दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करेंगे तथा दूसरे लोगों को भी इसके लिए जागरूक करेंगे। महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा थीम आधारित निबन्ध व चित्रकला प्रतियोगिता में चारु सिंह प्रथम, संजना जाजोटर व बीना महावर द्वितीय एवं चक्षु शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किये गये। इस अवसर पर सांवरमल जाट, डॉ. चेतना शर्मा, डॉ. निर्मला कुमावत, गरिमा भास्कर, डॉ. सोनालिका कुमावत, डॉ. बीना कुमारी आदि मौजूद रहे।

# मजदूर विरोधी नीतियों एवं नए काले श्रम कानूनों के विरोध में रैली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मजदूर विरोधी नीतियों एवं नए काले श्रम कानूनों के विरोध में जयपुर के विभिन्न श्रम संगठनों ने संयुक्त रूप से एक विशाल रैली का आयोजन किया जो HMS रेलवे कार्यालय से तैयार होकर श्रम आयुक्त कार्यालय हसनपुरा तक काफी विशाल संख्या में मजदूर किसानों के साथ संपन्न हुई । रैली का नेतृत्व कामरेड डी. के. छंगाणी, कामरेड एम एल यादव, कामरेड कुणाल रावत, कामरेड मुकेश माथुर, कामरेड नरेंद्र आचार्य, कामरेड सुनीता चतुर्वेदी, कामरेड निशा सिद्, कामरेड नईमुद्दीन आकिल, कामरेड विनोद कुमार ने सभी साथियों के साथ देशभर में मजदूरों, कर्मचारियों, युवाओं एवं आम जनता के अधिकारों की रक्षा हेतु केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आयोजित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के तहत गुरुवार को जयपुर में विभिन्न संगठनों द्वारा रैली निकाली और जिलाधीश महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में केंद्र सरकार द्वारा लागू वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता 2020 को मजदूर विरोधी बताते हुए इन्हें वापस लेने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि इन नई श्रम संहिताओं से श्रमिकों की नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा ट्रेड यूनियन अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण, ठेका प्रथा को बढ़ावा देने तथा रोजगार के अवसरों में कमी को मजदूर वर्ग के हितों के खिलाफ बताया गया।

**ज्ञापन के माध्यम से निम्न प्रमुख मांगें रखी गई—**

चारों श्रम संहिताओं को वापस लेकर पूर्व के श्रम कानूनों को पुनः लागू किया जाए।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण एवं विनिवेश बंद किया जाए।

ठेका प्रथा एवं आउटसोर्सिंग पर नियंत्रण कर स्थायी रोजगार सुनिश्चित किया जाए।

न्यूनतम मजदूरी ₹26,000 प्रतिमाह निर्धारित की जाए।

सभी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा, पेंशन एवं ईएसआई सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

महंगाई पर नियंत्रण कर आवश्यक वस्तुओं के दाम कम किए जाएं।

इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में कामरेड रमेश शर्मा, कामरेड कुणाल रावत कामरेड डी के छंगाणी, कामरेड नईमुद्दीन आकिल, कामरेड विनोद कुमार, अब्दुल कलाम खान, कामरेड मुदब्बीर खान सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम का समन्वय कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, जयपुर के शहर सचिव नईमुद्दीन आकिल द्वारा किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से मांगों को राज्य एवं केंद्र सरकार तक पहुंचाने तथा मजदूर वर्ग को राहत प्रदान करने की मांग की।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

| | |
|---|---|
| **बिजली फॉल्ट के लिए** | |
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 |
| कस्टमर केयर | 2203000 |
| आईवीआरएस | 1912 |
| **कचरा गाड़ी के लिए** | |
| ग्रेटर | 2747400 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 |
| हेरिटेज | 2607500 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 |
| **पुलिस की मदद के लिए** | |
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 |
| **पानी के लिए** | |
| जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| फायर ब्रिगेड | 2747400 |
| **मेडिकल इमरजेंसी के लिए** | |
| एंबुलेंस | 102/108 |
| एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| SDMH | 22574189 |
| SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |
| **घायल पशुओं के लिए** | |
| नगर निगम | 2747400 |
| बर्ड बाइक | 9887345580 |
| हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# गोयल आई हॉस्पिटल, उदई मोड़ गंगापुर सिटी के पास दलदल में धंसी रोडवेज बस

## -JCB की मदद से निकाली गई बाहर

**हनीस शेख**

गंगापुर सिटी (रॉयल पत्रिका)। गंगापुर सिटी के उदई मोड़ स्थित गोयल आई हॉस्पिटल के पास उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब राजस्थान पथ परिवहन निगम की एक रोडवेज बस का अगला हिस्सा अचानक सड़क किनारे बने दलदल में धंस गया। बताया जा रहा है कि बस चालक मोड़ काटते समय बस को किनारे ले गया, तभी कच्ची और कीचड़युक्त जमीन धंस गई और बस का अगला पहिया गहरे दलदल में फंस गया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, बस का पिछला हिस्सा सड़क पर ही था, लेकिन अगला हिस्सा पूरी तरह कीचड़ में धंस जाने से बस असंतुलित हो गई। बस में सवार यात्रियों में कुछ देर के लिए घबराहट का माहौल बन गया। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और सभी यात्रियों को सुरक्षित

नीचे उतार लिया गया। उदई मोड़ क्षेत्र में इन दिनों सड़क किनारे की स्थिति काफी खराब बताई जा रही है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों का कहना है कि सड़क के किनारों पर पक्की पटरी नहीं होने और कीचड़ जमा होने के कारण बड़े वाहनों को निकलने में परेशानी होती है। जरा सी चूक इस तरह की घटना को जन्म दे सकती है। सूचना मिलने के बाद मौके पर JCB मशीन बुलाई गई। काफी मशक्कत के बाद बस के अगले हिस्से को सावधानीपूर्वक ऊपर उठाकर बाहर निकाला गया। इस दौरान सड़क पर यातायात प्रभावित रहा और दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। बाद में स्थिति सामान्य कर दी गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि उदई मोड़ जैसे व्यस्त मार्ग पर सड़क किनारों को मजबूत किया जाए और जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। यह घटना एक बार फिर शहर की सड़क व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन पर सवाल खड़े करती नजर आई।

## अलीगढ़ महोत्सव 2026:

# स्पीड स्केटिंग में अलीगढ़ के होनहारों का जलवा

अलीगढ़ (रॉयल पत्रिका)। अलीगढ़ महोत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित नुमाइश खेल महोत्सव के तहत ओज़ोन सिटी में स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों से आए लगभग 150 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में अलीगढ़ के प्रतिभाशाली स्केटर अंडर-14 आयु वर्ग में मोहम्मद मुस्तफा खान तथा अंडर-7 आयु वर्ग में युसुफ खान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किए। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि

से अलीगढ़ सहित अलीगढ़ स्केटिंग क्लासेस एकेडमी का नाम रोशन हुआ। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महुआ खेड़ा थाना प्रभारी सरिता सिंह ने विजेता खिलाड़ियों मोहम्मद मुस्तफा खान और युसुफ खान को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने दोनों खिलाड़ियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और आगे भी इसी तरह मेहनत कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर आयोजकों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# कृषि वर्ग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण दल बीकानेर के लिए रवाना

**विनोद सोखल**

बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। सरस्वती ग्रामोत्थान विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय बींझबायला के कृषि वर्ग के विद्यार्थियों का एक दल दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण हेतु कृषि विभाग बीकानेर के लिए रवाना हुआ। यह दल कृषि व्याख्याता सतपाल खुडिया एवं अनीश बिश्नोई के नेतृत्व में बीकानेर पहुँचेगा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों द्वारा केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, खजूर अनुसंधान केंद्र, केंद्रीय बीज अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र बीकानेर, राष्ट्रीय घोड़ा अनुसंधान केंद्र, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जूनागढ़ किला, तथा करणी माता मंदिर देशनोक सहित विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान एवं

ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया जाएगा। दल को संस्था के डायरेक्टर सी. एल. रांका एवं प्रधानाचार्य ओमप्रकाश खुडिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण को गंभीरता से लेते हुए व्यवहारिक ज्ञान अर्जित करने का संदेश दिया। संस्था प्रबंधक अनिल खालिया ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए कक्षा शिक्षण के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, जिससे उनका सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं सीखने की भावना के साथ भ्रमण पूर्ण करने की शुभकामनाएँ दीं। भ्रमण को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

# घमुड़वाली थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात

## -गुरुद्वारे का गुल्लक तोड़कर 10 हजार रुपए चोरी

**विनोद सोखल**

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिले के घमुड़वाली थाना क्षेत्र में स्थित एक गुरुद्वारे में अज्ञात चोर द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। चोर देर रात गुरुद्वारे में घुसा और वहां रखे गुल्लक को तोड़कर करीब 10 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के पीपी में रहने वाले अमनदीप सिंह पुत्र गुरमीत सिंह जटसिख व लखवीर सिंह पुत्र मक्खन सिंह मेहरा ने थाने में उपस्थित होकर लिखित रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया गया कि 8 फरवरी की रात लगभग साढ़े 11 बजे एक अज्ञात व्यक्ति गुरुद्वारे में घुसा और गुल्लक तोड़कर उसमें रखी नकदी लेकर फरार हो गया। घटना गुरुद्वारे में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। सुबह जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और सीसीटीवी

फुटेज खंगाली गई, जिसमें एक व्यक्ति अंदर प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है।

# गुनसार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर की जमीन से अतिक्रमण हटाया, प्रशासन की कार्रवाई

**हनीस शेख**

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। करौली जिले के महावीर ब्लॉक के गांव गुनसार में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए आवंटित सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटा दिया। गुरुवार शाम करीब 4 बजे प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन की मदद से अवैध कब्जे को ध्वस्त कराया। नायब तहसीलदार महेंद्र गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2021 में जिला कलेक्टर द्वारा गुनसार गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि आवंटित की गई थी। हाल ही में चिकित्सा विभाग को भवन निर्माण के लिए बजट स्वीकृत हुआ। इसके बाद जब स्थल का निरीक्षण किया गया तो वहां अतिक्रमण पाया गया। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना के

निर्देशों की पालना में प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार महेंद्र गुप्ता, बीसीएमओ दर्शन सिंह गुर्जर, सेक्टर प्रभारी संदीप बंशीवाल, पटवारी बृजमोहन मीणा, गिरदावर तथा सदर थाने के एएसआई बदन सिंह गुर्जर पुलिस जाप्ते के साथ मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर भवन निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द ही गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी और स्थानीय स्तर पर बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी।

# मदरसा रामगढ़ में वार्षिक उत्सव और भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन

## -उत्कर्ष परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं और भामाशाहों को किया गया सम्मानित

रामगढ़ (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के रामगढ़ स्थित मदरसा में वार्षिक उत्सव और भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बोर्ड परीक्षा में उत्कर्ष परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं और भामाशाहों को प्रशस्ति पत्र देकर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि ताहिर हुसैन, प्रधानाध्यापक रहमत खान, श्वेता बंसल, कमलेश कुमार मीणा, बनवारी मीणा, हाजी शब्बीर अली, जमील खान, रहमान खान, महबूब अली, शाहिद दर्जन रोग मौजूद थे। प्रधानाध्यापक रहमत

खान ने कहा कि यह कार्यक्रम मदरसा के छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ा अवसर है, जिसमें वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मदरसा के छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में उत्कर्ष परिणाम देकर मदरसा का नाम रोशन किया है। इस मौके पर ताहिर हुसैन ने कहा कि मदरसा के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर मदरसा का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि मदरसा के शिक्षकों और अभिभावकों को भी बधाई, जिन्होंने छात्र-छात्राओं को इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मदरसा के छात्र-छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# हिंडौन के लॉन्गटीपुरा में वित्तीय साक्षरता सप्ताह कैंप

## - ग्रामीण महिलाओं ने जानी बैंक योजनाओं की जानकारी

**हनीस शेख**

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के लॉन्गटीपुरा गांव में भारतीय रिजर्व बैंक के तत्वावधान में वित्तीय साक्षरता सप्ताह के तहत एक विशेष जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने भाग लेकर बैंकिंग योजनाओं और वित्तीय सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कार्यक्रम के दौरान सेंटर मैनेजर राजरोसी गुर्जर ने उपस्थित ग्रामीणों को बैंक से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने केवाईसी की अनिवार्यता, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के लाभों को सरल भाषा में समझाया। कैंप में साइबर ठगी से बचाव पर भी विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या ओटीपी साझा करने से कैसे नुकसान हो सकता है और सुरक्षित बैंकिंग के लिए किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। महिलाओं ने योजनाओं से जुड़े सवाल पूछे और बैंक अधिकारियों ने मौके पर ही उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता बढ़ाना और लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना रहा। कैंप के अंत में सभी उपस्थित ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने दस्तावेज अपडेट रखें और बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित और समझदारी से उपयोग करें।

# भारत माला हाईवे पर बड़ी कार्रवाई: 60 लाख की हेरोइन सहित चार तस्कर गिरफ्तार

**विनोद सोखल**

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिले में नशा तस्करी के खिलाफ ANTF टीम और श्रीकरणपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए चार हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 115 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 60 लाख रुपए आंकी गई है। कार्रवाई श्रीकरणपुर क्षेत्र में भारत माला नेशनल हाईवे 911 पर की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने पर नाकाबंदी कर एक संदिग्ध कार को रोका गया। तलाशी लेने पर कार से हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने मौके से कार को भी जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि कुमार निवासी

साधुवाली, दिलप्रीत सिंह वार्ड 11, गुरप्रीत सिंह निवासी गांव 5PSDC तथा अनिल कुमार निवासी 7KND रावला के रूप में हुई है। इनमें से तीन आरोपी रावला क्षेत्र के तथा एक साधुवाली का निवासी बताया जा रहा है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि बरामद हेरोइन पंजाब से तस्करी कर लाई गई थी। पुलिस आरोपियों से तस्करी नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई को जिले में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी।

# विधायक राजेंद्र मीणा ने विधानसभा में केंद्रीय बस स्टैंड को दौसा डिपो से जोड़ने का मुद्दा उठाया

**शफीक अली**

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधायक राजेंद्र मीणा ने गुरुवार को राजस्थान विधानसभा में नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए महवा स्थित रोडवेज केंद्रीय बस स्टैंड के संचालन को लेकर महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। विधायक ने सदन को अवगत कराया कि उनके विधानसभा क्षेत्र महवा में संचालित केंद्रीय बस स्टैंड वर्तमान में हिंडौन आगार जिला करौली से संचालित हो रहा है, जबकि महवा प्रशासनिक रूप से दौसा जिले में आता है। विधायक मीणा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा में महवा बस स्टैंड के विकास हेतु 1.50 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिसके तहत विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास की दृष्टि से केंद्रीय बस स्टैंड का सुदृढ़ संचालन अत्यंत आवश्यक है, लेकिन वर्तमान में करौली जिले के हिंडौन डिपो से संचालन होने के कारण प्रशासनिक समन्वय एवं वित्तीय स्वीकृतियों में अनावश्यक कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं। इससे विकास कार्यों की गति प्रभावित होती है तथा स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने में विलंब होता है। विधायक ने कहा कि महुवा क्षेत्र की भौगोलिक, प्रशासनिक एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय बस स्टैंड का संचालन दौसा डिपो से किया जाना अधिक तर्कसंगत एवं जनहितकारी होगा। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने, बसों के संचालन में सुधार तथा संसाधनों के समुचित उपयोग में भी सहायता मिलेगी। विधायक ने अध्यक्ष महोदय के माध्यम से परिवहन मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से निवेदन किया कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए महवा केंद्रीय बस स्टैंड का संचालन हिंडौन डिपो के स्थान पर दौसा डिपो से करवाने हेतु आवश्यक प्रशासनिक एवं विभागीय कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित की जाए।

# राजस्थान का बजट घोषणाओं का ही पुलिंदा है - कुंवर दिगराज सिंह

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय किसान कांग्रेस ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट को लेकर हर वर्ग को उम्मीद थी, लेकिन वह भी निराशा में ही तब्दील हो गई। निवेश प्रोत्साहन के नाम पर सरकार ने सिर्फ प्रचार किया है, परंतु ज़मीनी स्तर पर निवेश होता दिख नहीं रहा है। विकास के साथ पर्यावरणीय सुरक्षा की अनदेखी को सरकार नकार नहीं सकती है। पश्चिमी राजस्थान में अंधाधुंध खेजड़ी के वृक्षों की कटाई हुई है जिसको लेकर जनता में इसका रोष व्याप्त है। यमुना जल समझौते में राजस्थान के हितों की अनदेखी की गई है। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल जैसी महत्वपूर्ण योजना को "राष्ट्रीय परियोजना" घोषित करने में भाजपा की डबल इंजन सरकार विफल रही। साथ ही, लंबे समय से राज्य में कई महत्वपूर्ण रेल योजनाओं में विस्तार के लिए अपेक्षित प्रयासों की कमी देखी गई है। कृषि आय में बढ़ोतरी

के लिए सरकार क्या ठोस प्रयास कर रही है? युवाओं के स्वावलंबन के लिए जो घोषणाएं की गई हैं, उनकी पूर्ति और पहले की घोषणाओं का डाटा अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। कुँवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने कहा हर बार की भांति इस बार भी इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़-चढ़कर घोषणाएं की गई हैं, परंतु समय के साथ बदलती तकनीक, निर्माण गुणवत्ता और हाल ही में हुए भीषण हादसों की रोकथाम के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे इसका स्पष्ट रोडमैप सामने नहीं रखा गया है। जनता को अब परिणाम चाहिए — ज़मीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

## मोहब्बतपुरा में सड़क का मुहूर्त शनिवार को

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। चाकसू विधायक रामावतार बैरवा एवं समाजसेवी जितेन्द्र शर्मा के प्रयासों द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण से स्वीकृत मोहब्बतपुरा से कौशल्या दास की बावड़ी तक सड़क का मुहूर्त शनिवार को लगेगा। इस सड़क की निविदा जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 177.77 लाख की निविदा नवंबर महीने में जारी की गई थी। और इस सड़क का वर्क ऑर्डर जनवरी में जारी हुआ था इस सड़क का मुहूर्त शनिवार को मोहब्बतपुरा मोड़ पर सुबह 10.30 बजे प्रशासक विमला चौधरी एवं समाजसेवी जितेन्द्र शर्मा एवं ग्रामीणों के हाथों से सड़क का मुहूर्त लगाया जाएगा।

# हिण्डौन बाईपास ओवरब्रिज पर हादसों को लेकर पूर्व सैनिकों का हल्लाबोल!

**हनीस शेख**

हिण्डौन सिटी/करौली (रॉयल पत्रिका)। बाईपास ओवरब्रिज पर हर महीने हो रहे 8-10 जानलेवा हादसों ने स्थानीय लोगों और पूर्व सैनिकों की चिंता बढ़ा दी है। आज भाजपा नेता विष्णु प्रजापति और पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम हेमराज गुर्जर को ज्ञापन सौंपकर सख्त चेतावनी दी है। ओवरब्रिज के दोनों तरफ तुरंत डिवाइडर लगाए जाएं। वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। पूर्व सैनिकों ने साफ कहा है कि यदि 7 दिन के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए RSRDC अधिकारी मनोज श्रीवास्तव को तुरंत मौके पर पहुंचकर निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

# वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। केनरा बैंक रुडसेटी द्वारा गुरूवार को शाहबाद ब्लॉक के समरानिया गांव में वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2026 के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य विषय केवाईसी द सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम रहा। शिविर के दौरान रूडसेट निदेशक देवेंद्र कुमार मीना और संस्थान के संकाय अनिरुद्ध द्वारा प्रतिभागियों को केवाईसी अद्यतन के महत्व, प्रक्रिया एवं इसके लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि समय-

समय पर केवाईसी अपडेट कराना न केवल बैंकिंग सेवाओं को सुचारू बनाए रखता है, बल्कि धोखाधड़ी, साइबर अपराध और वित्तीय नुकसान से भी बचाव करता है। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को सरकारी योजनाओं एवं बैंकिंग सुविधाओं का सुरक्षित एवं सही उपयोग, ओटीपी, पिन, एटीएम एवं ऑनलाइन बैंकिंग से संबंधित सुरक्षा सावधानियां, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि खाता, पीपीएफ खाता, तथा बैंकों की अन्य बचत एवं ऋण सुविधाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। यह शिविर विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं जो स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई है को सुरक्षित, पारदर्शी एवं डिजिटल बैंकिंग की ओर प्रेरित करने के लिए किया गया।

# सड़क दुर्घटना में घायल की हुई मौत मृतक की नहीं हुई शिनाख्त

**शफीक अली**

महुवा (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय राजमार्ग भरतपुर रोड स्थित मिस्त्री मार्केट में सड़क दुर्घटना में घायल हुए अधेड़ ने जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक की शिनाख्त नहीं होने पर उसका शव एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि मिस्त्री मार्केट में अज्ञात वाहन ने एक जने को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया । जिसे महुवा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैपर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक कि शिनाख्त नहीं होने पर उसका सव एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतक की उम्र 50 वर्ष, कद 5 फीट 8 इंच, रंग सांवला, उसने काले रंग की पेंट तथा सफेद रंग की शर्ट पहनी हुई है।

## सुप्रीम पावर इक्विपमेंट के 9 माह में आय और शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़े

**चेन्नई।** पावर और डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड ने क्यू3 और 9एम एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों की घोषणा की। सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री वी. राजमोहन ने कहा, हमें यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि क्यू3 और 9एम एफवाय26 के दौरान कंपनी ने स्थिर और संतुलित वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया। 9एम एफवाय26 में हमारी समेकित आय 111.38 करोड़ और शुद्ध लाभ 12.78 करोड़ रहा, जो हमारी मजबूत परिचालन अनुशासन और प्रभावी निष्पादन क्षमता को दर्शाता है। तिमाही के दौरान, कर्नाटक में कई इपीसी ऑर्डर हासिल कर हमने दक्षिण भारत में अपनी उपस्थिति को और सशक्त किया, वहीं तमिलनाडु की यूटिलिटी परियोजनाओं से डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर के ऑर्डर मिले, जो ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार बनी मांग को दर्शाता है। इस दौरान प्राप्त एमएसएमई रत्न अवॉर्ड हमारी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, उत्पाद गुणवत्ता और विनिर्माण क्षमताओं पर हमारे निरंतर फोकस को और मजबूती देता है।

## ओप्पो ने भारत में के14एक्स 5जी लॉन्च किया

**मुंबई, एजेंसी।** आज ओप्पो इंडिया ने भारत में ओप्पो के14एक्स 5जी के लॉन्च के साथ अपनी के-सीरीज़ की मजबूत विरासत को आगे बढ़ाया। यह स्मार्टफोन पॉवर, परफॉर्मेंस और

स्मूथनेस के लिए डिज़ाईन किया गया है। यह ओप्पो के पूरा दिन बेफिक्र उपयोग के वादे के साथ आता है। विद्यार्थियों, नौकरी की शुरुआत करने वालों, गेमर्स और किफायत पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए बनाया गया ओप्पो के14एक्स 5जी भारी उपयोग के साथ भी लंबे समय तक चलता है। यह रियल-टाईम मल्टीटास्किंग के साथ यूज़र्स को पूरा दिन केंद्रित और कनेक्टेड रहने में समर्थ बनाता है। गोल्डी पटनायक, हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, ओप्पो इंडिया ने कहा ओप्पो के सीरीज़ भारत में लाखों ग्राहकों को बहुत पसंद आई है। यह किफायती मूल्य में लगातार विश्वसनीय परफॉर्मेंस, लंबे समय तक पॉवर और स्मूथ दैनिक अनुभव प्रदान करती है। ओप्पो के14एक्स 5जी के सीरीज़ की विरासत को आगे बढ़ा रहा है। यह एक ऐसा स्मार्टफोन है, जो वास्तविक परिस्थितियों में पूरे दिन लगातार इस्तेमाल और मल्टीटास्किंग के लिए बनाया गया है। के14एक्स स्मूथनेस पर हमारा फोकस प्रदर्शित करता है। यह लंबे समय तक भरोसेमंद परफॉर्मेंस और लगातार पॉवर प्रदान करता है। यह क्वालिटी और मजबूत आफ्टर-सेल्स ईकोसिस्टम की ओप्पो की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। यह डिवाईस यूज़र्स को बिना धीमी पड़े पूरे दिन लगातार सपोर्ट प्रदान करने के लिए बनाई गई है। अंशुमन भट्ट, हेड ऑफ ई-कॉमर्स ने कहा ओप्पो के14एक्स 5जी के लॉन्च के साथ हम यूज़र्स को के-सीरीज़ में भरोसेमंद पॉवर और एक लंबा समय तक चलने वाला स्मार्टफोन पेश कर रहे हैं। यह दैनिक इस्तेमाल के लिए बनाया गया है। के14एक्स जबरदस्त बैटरी, स्मूथ सिस्टम परफॉर्मेंस और रिफाईंड डिज़ाईन पेश करता है। यह स्मार्टफोन के सुगम अनुभव के लिए एक भरोसेमंद विकल्प है। ग्राहक आज से ओप्पो के14एक्स को हमारे ई-कॉमर्स पार्टनर्स के माध्यम से प्रिबुक कर सकते हैं। हम भारत में ग्राहकों को यह नया स्मार्टफोन उपलब्ध कराने के लिए उत्साहित हैं। ओप्पो के14एक्स 5जी के 4जीबी.128जीबी वैरिएंट का मूल्य 14,999 रुपये और 6जीबी.128जीबी वैरिएंट का मूल्य 16,999 रुपये है। यह 16 फरवरी, 2026, दोपहर 12 बजे से ओप्पो ई-स्टोर और फिलपकार्ट पर उपलब्ध होगा। यह दो रंगों, आईसी ब्लू और प्रिज़्म वॉयलेट में आएगा। ओप्पो के14एक्स 5जी की प्रि-बुकिंग आज से शुरू होगी, जिससे यूज़र्स को यह डिवाईस खरीदने का अवसर समय से पहले ही मिल जाएगा। सेल के दिन इस स्मार्टफोन के 4जीबी और 6जीबी वैरिएंट्स पर 1,500 रुपये का इंस्टैंट डिस्काउंट और चुनिंदा बैंक ऑफर दिए जा रहे हैं।

# पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग ने 10 लाख स्मार्ट मीटर का आंकड़ा पार किया

### भारत के आरडीएसएस के नेतृत्व वाले बिजली वितरण सुधारों को कंपनी दे रही गति

**जयपुर / नई दिल्ली, एजेंसी।** पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग ने अपनी एएमआईएसपी एवं बिजली वितरण यात्रा में भारत सरकार की पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत बाजारों में 10 लाख से अधिक स्मार्ट मीटरों का विनिर्माण कर उन्हें लगाने का एक बड़ा कीर्तिमान हासिल करने की आज घोषणा की। यह उपलब्धि इस देश में वृहद स्तर पर स्मार्ट मीटरिंग को अपनाने और बिजली क्षेत्र के डिजिटलीकरण में पोलारिस की अहम भूमिका रेखांकित करती है।

सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग के भागीदारों की उपस्थिति में जयपुर में पोलारिस की अत्याधुनिक इकाई में 10 लाखवें स्मार्ट मीटर का अनावरण इस उपलब्धि का प्रतीक था। यह इकाई देशज

विनिर्माण, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और राष्ट्रीय सुधार प्राथमिकताओं के हिसाब से बड़े पैमाने पर काम करने की प्रतिबद्धता को दिखाती है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएएस, अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) और राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आरवीपीएन) के चेयरमैन श्री अजिताभ शर्मा ने आरडीएसएस के उद्देश्यों को हासिल करने में स्मार्ट मीटरिंग का महत्व रेखांकित किया। उन्होंने कहा, अक्षय ऊर्जा की तेज वृद्धि और बैटरी ऊर्जा स्टोरेज के हमारे विस्तार की योजना के साथ स्मार्ट मीटर मांग में लचीलेपन और ग्रिड प्रबंधन में एक केंद्रीय भूमिका निभाएंगे। इसका सही मूल्य जबरदस्त डेटा प्रबंधन प्रणालियों, एकीकृत प्लेटफॉर्मों और सोच समझकर निर्णय करने में निहित है जिससे ग्रिड दृश्यता और परिचालन दक्षता मजबूत होता है।

इस कीर्तिमान को लेकर पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग के संस्थापक और सीईओ यशराज खेतान ने कहा, 10 लाख स्मार्ट मीटर का आंकड़ा पार करना पोलारिस के लिए निश्चित तौर पर एक ऐतिहासिक क्षण है और आरडीएसएस के तहत हमारी क्रियान्वयन क्षमताओं का एक मजबूत प्रमाणन है। यह बिजली वितरण कंपनियों और राज्य सरकारों द्वारा हमारे ऊपर किए गए विश्वास और जमीनी स्तर पर हमारी टीमों के अथक प्रयासों को परिलक्षित करता है। हमारे एएमआई सॉल्यूशंस भारत में एक अधिक स्मार्ट, अधिक कुशल और वित्तीय रूप से टिकाऊ बिजली वितरण पारितंत्र की नींव डालते हुए बिजली वितरण कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच दो तरफा संचार सुगम बनाते हैं।

# स्टेलांटिस और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने 20 वर्षों की साझेदारी का जश्न मनाया

### संभावनाओं के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

**पुणे, एजेंसी।** स्टेलैंटिस, एक प्रमुख वैश्विक ऑटोमोबाइल निर्माता, और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, भारत की अग्रणी कार और एसयूवी निर्माता, ने अपने 50:50 संयुक्त उद्यम, फिएट इंडिया ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से सफल साझेदारी के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर दोनों कंपनियों ने आज एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य भारत और विदेशों में मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और सप्लाई चेन के क्षेत्रों में आगे सहयोग के अवसर तलाशने है। इस सफल साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए और स्टेलैंटिस की वैश्विक विशेषज्ञता तथा टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की गहन स्थानीय क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, एफआईएपीएल ने मैन्युफैक्चरिंग, पावरट्रेन और सप्लाई चेन में

मजबूत क्षमताएँ विकसित की हैं, जिससे भविष्य में सहयोग बढ़ाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार हुआ है। इस माइलस्टोन और आगे के अवसर पर बात करते हुए, स्टेलैंटिस एशिया पैसिफिक के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर ग्रेगॉयर ओलिवियर ने कहा; एफआईएपीएलइस बात का प्रमाण है कि दो मजबूत संगठन मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाते हुए, हम क्षेत्र में भविष्य के लिए तैयार मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन और सतत विकास को समर्थन देने हेतु साझेदारी को आगे विकसित करने पर केंद्रित हैं। शैलेश चंद्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर सीईओ, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने कहा; एफआईएपीएल के माध्यम से स्टेलांटिस के साथ हमारी साझेदारी विश्वास, साझा मूल्यों और एक समान दृष्टिकोण पर आधारित एक दीर्घकालिक सहयोग की मजबूती को दर्शाती है। हम आने वाले वर्षों में स्टेलांटिस के साथ इस संबंध को और गहरा करने की उम्मीद करते हैं।

## कृषिवल फूड्स लिमिटेड की 9एम एफवाय26 में एफवाय25 तुल्य राजस्व उपलब्धि

**मुंबई, एजेंसी।** कृषिवल फूड्स लिमिटेड , एक तेजी से उभरती भारतीय एफएमसीजी कंपनी, जिसने कृषिवाल नट्स और मेल्ट एन मेलो ब्रांड्स के तहत ड्राय फ्रूट्स, नट्स और आइसक्रीम के विविध पोर्टफोलियो के साथ मजबूत पहचान बनाई है, ने क्यू3 और 9एम एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने एक और मजबूत तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया, जिसे त्योहारों और शादी के सीजन की सशक्त मांग, टियर सेकंड और टियर थर्ड बाजारों में बढ़ती पहुंच, तथा जनरल ट्रेड, मॉडर्न ट्रेड, क्विक-कॉमर्स और निर्यात चैनलों में लगातार बढ़ती पकड़ का समर्थन मिला। नट्स व्यवसाय में निरंतर वृद्धि और आइसक्रीम सेगमेंट में सफल टर्नअराउंड–जो अब पीएटी स्तर पर योगदान दे रहा है–इस तिमाही की प्रमुख उपलब्धियां रहीं। कृषिवल फूड्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं होल-टाइम डायरेक्टर श्री सुजीत बांगर ने कहा- क्यू3 एफवाय26 हमारे लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पड़ाव रहा है। हमारी आइसक्रीम ब्रांड मेल्ट एन मेलो ने अपेक्षित स्केल प्राप्ति से पहले ही पीएटी स्तर पर योगदान देना शुरू कर दिया है, जो हमारे सशक्त ऑपरेटिंग मॉडल, बेहतर क्षमता उपयोग और मौसमी चुनौतियों के बीच भी लागत अनुशासन पर हमारी स्पष्ट पकड़ को दर्शाता है। वहीं, हमारा नट्स व्यवसाय कृषिवाल नट्स प्रीमियमाइजेशन रणनीति, त्योहार एवं विवाह-सीजन की मजबूत मांग, सुव्यवस्थित प्रोक्योरमेंट और ऑपरेटिंग लीवरेज के सहारे निरंतर राजस्व वृद्धि और मार्जिन विस्तार दर्ज कर रहा है।

## फैशन के जरिए स्वास्थ्य की देखभाल: ब्रेस्ट कैंसर की जागरूकता के लिए 'सुता' भी 'पिंक टैग' पहल में शामिल

**मुंबई, एजेंसी।** दिल्ली शहर के पास एक इलाके में रहने वाली एक महिला अपने ब्लाउज की अंदरूनी सिलाई में, वॉश-केयर लेबल के पास एक गुलाबी टैग देखती है। उसे जिज्ञासा होती है और वह उस टैग पर लिखा संदेश पढ़ती है। उस संदेश में उसे एक सौम्य तरीके से मार्गदर्शन मिलता है। टैग पर बने सरल चित्रों के जरिए उसे समझ आता है कि स्वयं की जांच कैसे करनी है। इस टैग पर कोई चेतावनी नहीं दी गई है और न ही कोई डर दिखाया गया है। टैग पर है तो बस जागरूकता। इस तरह शुरू हुआ 'फेडरल बैंक होर्मिस मेमोरियल फाउंडेशन' और 'नेटवर्क-एटीन संजीवनी' का 'पिंक टैग प्रोजेक्ट'! ग्रामीण इलाकों में स्थानीय दर्जियों और सामुदायिक ट्रस्ट के माध्यम से यह पहल बड़े स्तर पर दूर-दूर तक पहुंची है। यह महत्वाकांक्षी योजना अब 'सुता' के जरिए फैशन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रही है। 'सुता' एक स्वदेशी डी-टू-सी ब्रांड है। यह ब्रांड आधुनिक भारतीय महिला के लिए साड़ी के मायने को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। यहां टैग के रूप में परंपरा और समकालीन उद्देश्य का सुंदर संगम दिखाई देता है। कपड़े का एक छोटा-सा टुकड़ा महिलाओं को अपनी देखभाल करना सिखाता है और इस तरह फैशन उद्योग भी राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान देता है। भारत में हर चार मिनट में एक महिला को स्तन कैंसर का निदान होता है। इनमें से 70 प्रतिशत से अधिक मामलों में बीमारी का पता देर से चलता है। कई महिलाएं अपनी जांच नहीं करातीं, क्योंकि उनके पास अपने लिए समय नहीं होता। घर के काम, रोज़ी-रोटी के लिए किया जाने वाला काम और परिवार की देखभाल, इन सब में वे इतनी व्यस्त रहती हैं कि खुद की देखभाल करना उन्हें एक तरह की 'लग्ज़री' लगने लगता है। 'शुरुआत एक सरल-से अवलोकन से हुई। महिलाओं को हर दिन अपने लिए एक छोटा-सा पल तब मिलता है, जब वे कपड़े पहन रही होती हैं। उनके कपड़ों में सिला हुआ एक गुलाबी टैग उनका ध्यान खींचता है और उन्हें यह बताता है कि स्वयं की जांच कैसे करनी है। यह टैग एक साधारण, लेकिन बेहद प्रभावी मार्गदर्शक है। यह उसी क्षण में शामिल है। ग्रामीण दर्जियों, गांव की स्वयंसेविकाओं और भरोसेमंद सहेलियों ने इस विचार को वास्तविक रूप दिया है। 'सुता' ने भारतीय फैशन जगत में एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ प्रवेश किया – आधुनिक महिलाओं के लिए साड़ी को फिर से लोकप्रिय बनाना। जिस समय बाजार में साड़ी की परंपरा पुरानी और पीछे छूटती हुई लग रही थी, उस समय 'सुता' ने उसमें नई ऊर्जा, सांस्कृतिक गर्व और नए डिज़ाइन्स का रंग भर दिया।

## स्मार्टेल एआई और भारतक्लाउड ने भारत के 3000+ स्कूलों में एआई अपनाने में तेज़ी लाने के लिए पार्टनरशिप की

**मुंबई, एजेंसी।** भारत क्लाउड, एक भारतीय एआई -रेडी क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर, ने एजुकेशन में सुरक्षित, स्केलेबल और डेटा-सॉवरेन एआई को अपनाने में तेज़ी लाने के लिए, एशिया की पहली एआई -पावर्ड ग्रेडिंग कंपनी, स्मार्टेल एआई के साथ पार्टनरशिप की घोषणा की। इस सहयोग का मकसद 2026 तक भारत के 3000+ स्कूलों और यूनिवर्सिटी में एआई -लेड ट्रांसफॉर्मेशन को सपोर्ट करना है, जिसमें इंस्टीट्यूशनल तैयारी और एकेडमिक फ्रेमवर्क के हिसाब से फेज़ में रोलआउट किए जाएंगे। साथ मिलकर, कंपनियां एजुकेशन इंस्टीट्यूशन को डेटा सिक्योरिटी, कम्प्लायंस या पेडागॉजिकल इंटीग्रिटी से समझौता किए बिना, ज़िम्मेदारी से एआई डिप्लॉय करने में मदद कर रही हैं।

जैसे-जैसे भारत के एजुकेशन सेक्टर में एआई को अपनाया जा रहा है, डेटा सॉवरेनिटी और सिक्योरिटी ज़रूरी हो गई है। भारतक्लाउड का सॉवरेन एआई क्लाउड, स्मार्टेल के फ्लैगशिप प्लेटफॉर्म डीपग्रेड को पावर देता है, जिससे एक सुरक्षित, ऑटोमेटेड ग्रेडिंग सिस्टम, रियल-टाइम स्टूडेंट परफॉर्मेंस एनालिटिक्स और पर्सनलाइज्ड लर्निंग इनसाइट्स मिलते हैं।

भारतक्लाउड के सॉल्यूशंस का इस्तेमाल करके, स्मार्टेल ने प्लेटफॉर्म परफॉर्मेंस और एफिशिएंसी को बेहतर बनाया है, अब यह हर महीने लगभग 97 प्रतिशत एक्यूरेसी के साथ 3 मिलियन से ज़्यादा मार्क्स की ग्रेडिंग करता है। क्वेश्चन पेपर जेनरेशन में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, सीबीएसई, आईसीएसई, आईजीसीएसई, आईबी, कैम्ब्रिज और स्टेट बोर्ड के करिकुलम में हर महीने 500+ पेपर बनाए जाते हैं। सुरक्षित, अपग्रेडेड नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर सुरक्षित डेटा स्टोरेज और रिट्रीवल पक्का करता है, जिसे कॉम्पिटिटिव प्राइसिंग देने वाले कॉस्ट-ऑप्टिमाइज्ड क्लाउड आर्किटेक्चर से सपोर्ट मिलता है। स्मार्टेल के को-फाउंडर और सीईओ, स्वामीनाथन गणेशन कहते हैं, एक डीपटेक एआई ग्रेडिंग सॉफ्टवेयर कंपनी के तौर पर, हमारा क्लाउड चॉइस मिशन-क्रिटिकल है। कई प्रोवाइडर्स को एवैल्यूएट करने के बाद, भारतक्लाउड अपनी हाई अवेलेबिलिटी, स्केलेबिलिटी, लो लेटेंसी, जीपीयू-सीपीयू परफॉर्मेंस और कॉस्ट एफिशिएंसी के लिए सबसे अलग रहा। इसका सिक्योर, सॉवरेन इंफ्रास्ट्रक्चर हमें डीपग्रेड को स्केल करने में मदद करता है, जो डेटा सिक्योरिटी, एआई सॉवरेनिटी और बेहतर कस्टमर आउटकम पक्का करते हुए रोज़ाना 100,000 से ज़्यादा आंसर इवैल्यूएशन को हैंडल करता है।

# मुनाफा बढ़ा, आर्डर बुक 29,372 करोड़ के उच्चतम स्तर पर

### दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड का वित्त वर्ष '26 की तीसरी तिमाही का वित्तीय परिणाम

**भोपाल।** प्रमुख इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी, दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड ('डीबीएल' या 'कंपनी') ने आज 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीनों के लिए अपने गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम की घोषणा की। कंपनी खनन और अन्य बुनियादी ढांचा खंड में नकद-सृजन परिसंपत्ति के बढ़ते पोर्टफोलियो के साथ एक विविधिकृत, बहु परिसंपत्ति आधारित (मल्टी-एसेट) बुनियादी ढांचा प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित हुई है। कर पश्चात मुनाफ़ा (पैट) 789 करोड़ रहा। यह मुख्य रूप से इस तिमाही में 585 करोड़ के एक बार के फायदे की वजह से हुआ।

31 दिसंबर 2025 को खत्म हुए नौ महीनों के लिए कंपनी ने परिचालन से 6,684 करोड़ (वित्त वर्ष '25 के नौ महीनों: 8,221 करोड़) की समेकित आय दर्ज की, जबकि एबिट्डा (मार्जिन 20.54 प्रतिशत) 1,373 करोड़ और पैट 1,275 करोड़ रहा।

कंपनी ने 31 दिसंबर 2025 को समाप्त नौ महीनों के लिए परिचालन से 5,145 करोड़ (वित्त वर्ष '25 के नौ महीनों में: 6,690 करोड़) की आय दर्ज की, जबकि एबिट्डा 535 करोड़ (मार्जिन 10.40 प्रतिशत) और कर पश्चात मुनाफा 775 करोड़ रहा। ऑर्डर बुक अब तक के उच्चतम स्तर पर डीबीएल का समेकित ऑर्डर बुक, 31 दिसंबर, 2025 तक, लगभग 29,372 करोड़ रहा। यह कंपनी के इतिहास में ऑर्डर बुक का उच्चतम स्तर है और यह सबसे अधिक विविधिकृत भी है, जो बुनियादी ढांचा खंड में उल्लेखनीय क्रियान्वयन क्षमता को रेखांकित करता है। मौजूदा ऑर्डर बुक वित्त वर्ष '26 की शुरुआत में तय ऑर्डर प्रवाह के दिशानिर्देश (गाइडेंस) से भी अधिक है, जिसे चुनाव खत्म होने के बाद बेहतर निविदा गतिविधियों से मदद मिली। ऑर्डर बुक सड़क एवं राजमार्ग, सिंचाई, मेट्रो रेल, जलापूर्ति, सुरंग (टनल), खनन और दूसरे बुनियादी ढांचा खंड में बंटा हुआ है, जिससे विशिष्ट खंड में केंद्रित होने का जोखिम कम होता है और स्थिर एवं निरंतर क्रियान्वयन में मदद मिलती है।

### अनंतम हाईवेज़ इन्विट हुआ सूचीबद्ध

उक्त तिमाही के दौरान, डीबीएल ने सेबी में पंजीकृत बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इन्विट), अनंतम हाईवेज़ इन्विट को सूचीबद्ध किये जाने की घोषणा की। इस इन्विट को परिसंपत्ति योगदानकर्ता (एसेट कंट्रीब्यूटर) के तौर पर डीबीएल से और सेबी में पंजीकृत स्पॉन्सर के तौर पर अल्फा अल्टरनेटिव की ओर से संयुक्त रूप से समर्थन मिला, जिनका शेयरहोल्डिंग अनुपात क्रमश: 74:26 है। अनंतम हाईवेज़ ट्रस्ट (सीरीज़-4) की इकाइयां नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई दोनों पर सफलतापूर्वक सूचीबद्ध हुईं, जो परिसंपत्ति आधारित प्लेटफॉर्म बनाने, पूंजी पुनर्चक्रण (कैपिटल रीसाइक्लिंग) को मुमकिन बनाने और दीर्घकालिक स्तर पर मूल्य निर्माण बढ़ाने के लिहाज़ से कंपनी की रणनीति की उल्लेखनीय उपलब्धि है। दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, दिलीप सूर्यवंशी ने कहा हम दीर्घकालिक स्तर पर धीरे-धीरे एक बहु-परिसंपत्ति बुनियादी ढांचा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं जो स्थिर, दीर्घकालिक दृश्यता और मूल्य निर्माण करे। जहां तक दिशा की बात है तो हम विशुद्ध क्रियान्वयन से आगे बढ़कर परिसंपत्ति आधारित व्यवसाय – पारेषण (ट्रांसमिशन), नवीकरणीय ऊर्जा और एन्युइटी-लिंक्ड बुनियादी ढांचे – में जा रहे हैं, जो दीर्घकालिक नकदी प्रवाह, प्लेटफॉर्म की विस्तार योग्यता और भविष्य के लिए रणनीतिक प्रासंगिकता प्रदान करते हैं।

# एयरटेल ने 'ओटीपी लीक से होने वाले फ्रॉड' रोकने के लिए नया एआई-आधारित सुरक्षा फीचर लॉन्च किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एयरटेल ने स्पैम की समस्या से निपटने के अपने लगातार प्रयासों के तहत आज अपना नया एआई-पावर्ड फ्रॉड अलर्ट सिस्टम लॉन्च किया है। यह फीचर ग्राहकों को ओटीपी (वन-टाइम पासवर्ड) से जुड़े बैंकिंग फ्रॉड से रियल-टाइम में सुरक्षित रखने में मदद करेगा।आजकल धोखेबाज़ डिलीवरी, कस्टमर सपोर्ट या अन्य रोज़मर्रा की सेवाओं का बहाना बनाकर ग्राहकों पर जल्दबाज़ी का दबाव बनाते हैं और उनसे बैंकिंग ट्रांजैक्शन से जुड़ा ओटीपी साझा करवा लेते हैं। जैसे ही ओटीपी साझा किया जाता है, ग्राहक के बैंक खाते में जमा राशि धोखाधड़ी के खतरे में पड़ जाती है। एयरटेल का नया एआई-पावर्ड सिस्टम ऐसी संदिग्ध परिस्थितियों की पहचान कर ग्राहकों को समय रहते सचेत करता है। जब किसी संभावित जोखिम भरी इनकमिंग कॉल के दौरान बैंक द्वारा भेजा गया ओटीपी डिटेक्ट होता है, तो एयरटेल तुरंत

'फ्रॉड अलर्ट' के ज़रिये ग्राहक को चेतावनी देता है कि कॉल पर रहते हुए बैंकिंग ट्रांजैक्शन का ओटीपी साझा करना जोखिम भरा हो सकता है। एआई की इंटेलिजेंस और मानवीय सूझबूझ का यह प्रभावी संयोजन ग्राहकों को सोचने, परखने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समय देता है, जिससे स्कैमर्स द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सुरक्षा अंतर को प्रभावी रूप से बंद किया जा सके। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शाश्वत शर्मा ने कहा,हम एयरटेल को एक सुरक्षित नेटवर्क बनाने के मिशन पर काम कर रहे हैं। इस दौरान हमने महसूस किया है कि डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित रखने में ओटीपी की अहम भूमिका होने के बावजूद, अपराधी अलग-अलग तरीकों से इसकी उपयोगिता को कमजोर कर रहे हैं। इसी को देखते हुए हमें एयरटेल के नेटवर्क स्तर पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसे बैंकिंग फ्रॉड से सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है।

## स्नातकोत्तर प्रोग्रैम्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरु हो चुकी है

**बेंगलूरु, भोपाल।** अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय अगले शैक्षणिक सत्र के लिए अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। ये कार्यक्रम बेंगलूरु, भोपाल और रांची के कैंपसेस में होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 22 फ़रवरी 2026 तक अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय डेवलपमेंट, एजुकेशन, अर्ली चाइल्डहुड केअर एण्ड एजुकेशन, इकॉनॉमिक्स, अप्लाइड अप्लाइड इकोनॉमिक्स, पब्लिक हेल्थ के साथ-साथ क्लाइमेट चेंज एण्ड सस्टेनेबिलिटी में पोस्ट-ग्रैजुएशन यानी स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहा है। समकालीन सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से गहराई से जुड़कर अध्ययन करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए हैं।

## ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत को तेल और गैस में लगभग 2,000 एक्सप्लोरेशन लाइसेंस की आवश्यकता: अनिल अग्रवाल

**मुंबई, एजेंसी।** तेजी से बदलते और अस्थिर होते भू-राजनीतिक परिदृश्य में, ऊर्जा आत्मनिर्भरता भारत के लिए एक रणनीतिक आवश्यकता बन गई है। अनिल अग्रवाल ने अपने हालिया ट्वीट में कहा, भारत इसलिए असुरक्षित है क्योंकि हम अपने तेल और गैस की 90 प्रतिशत जरूरत आयात करते हैं, जबकि देश तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है, जिसे विरोधी परिस्थितियों में अवरुद्ध किया जा सकता है। ऐसे समय में, जब भारत अगले कम से कम दो दशकों तक दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता तेल और गैस बाजार बना रहेगा, घरेलू उत्पादन अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जमीन के नीचे है। देश के पास 300 बिलियन बैरल समतुल्य हाइड्रोकार्बन संसाधन हैं, जो गुयाना की संभावनाओं से 30 गुना से भी अधिक हैं। इसके साथ ही भारत की वैश्विक प्रतिभा भी उल्लेखनीय है – दुनिया भर में इस उद्योग के 10 प्रतिशत विशेषज्ञ भारतीय हैं। हालांकि, सबसे बड़ी कमी बड़े पैमाने पर एक्सप्लोरेशन की है। अग्रवाल जोर देते हैं, एक्सप्लोरेशन इस व्यवसाय का मूल है, और अमेरिका का उदाहरण देते हैं, जहां उद्यमियों के लिए एक्सप्लोरेशन खोलने से देश आयात-निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा।

अपने 15 वर्षों के अनुभव के आधार पर, अग्रवाल बताते हैं कि भारत आयात की तुलना में आधी लागत पर हाइड्रोकार्बन का उत्पादन कर सकता है, जबकि यह क्षेत्र अब तक 40 बिलियन का योगदान राजकोष में दे चुका है और केयर्न के माध्यम से 1.3 बिलियन बैरल का उत्पादन कर चुका है। इसके बावजूद, अन्य क्षेत्रों के विपरीत, इस सेक्टर को पीएलआई जैसी कोई सरकारी सुरक्षा या प्रोत्साहन नहीं मिलता। एक बड़ी चिंता नियामकीय अनिश्चितता को लेकर है। आज भारत में केवल 20 सक्रिय लाइसेंस हैं, जबकि यह संख्या 2,000 होनी चाहिए, अग्रवाल कहते हैं। वे चेतावनी देते हैं कि प्रक्रियाओं, नोटिसों, अदालती मामलों और लाइसेंस छीने जाने का डर वैश्विक निवेशकों को दूर रखता है।

# शुभांगी अत्रे

## का बीच दिखा कातिलाना अंदाज

'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी यानी शुभांगी अत्रे एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज की वजह से चर्चा में हैं। इस बार वो बीच किनारे शॉर्ट्स और निटेड स्वेटर टॉप में नजर आई है। टीवी की फेमस 'अंगूरी भाभी' यानी शुभांगी अत्रे एक बार फिर अपने नए अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने अपने सीधी-सादी इमेज से बिल्कुल अलग ग्लैमरस अवतार दिखाया है जिसे देखकर फैंस की नजरें ठहर गई है। बीच किनारे शॉर्ट्स और स्टाइलिश स्वेटर टॉप में नजर आईं शुभांगी ने बिना ज्यादा मेहनत के ऐसा कूल और वेकेशन रेडी लुक कैरी किया कि हर कोई बस उन्हें ही देखता रह गया है। जब ग्लैमरस अंदाज में नजर आएं तो फैंस का दिल धड़कना तो बनता है। 'भाभीजी घर पर हैं' से घर-घर में पहचान बनाने वाली शुभांगी अत्रे इन दिनों अपने स्टाइल को लेकर फिर चर्चा में हैं. हाल ही में उन्होंने बीच पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं जिनमें उनका लुक इतना कातिलाना था कि लोगों की नजरें ही नहीं हट रही थी। टीवी की सीधी-सादी 'अंगूरी भाभी' जब बीच किनारे ग्लैमरस अंदाज में नजर आएं तो फैंस का दिल धड़कना तो बनता है। 'भाभीजी घर पर हैं' से घर-घर में पहचान बनाने वाली शुभांगी अत्रे इन दिनों अपने स्टाइल को लेकर फिर चर्चा में हैं. हाल ही में उन्होंने बीच पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं जिनमें उनका लुक इतना कातिलाना था कि लोगों की नजरें ही नहीं हट रही थी।

# रणवीर सिंह को मिली धमकी

**करोड़ों रुपए की मांग पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा**

फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हाल ही में हुई फायरिंग के बाद अब फिर से बॉलीवुड से जुड़ी नई खबर सामने आई है। अभिनेता रणवीर सिंह को एक धमकी भरा मैसेज भेजा गया है, जिसमें उनसे करोड़ों रुपए की मांग की गई है। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर' फेम अभिनेता रणवीर सिंह को धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। यह घटना हाल ही में फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग के ठीक बाद सामने आई है, जिससे बॉलीवुड में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुंबई पुलिस के अनुसार, रणवीर सिंह को व्हाट्सएप पर एक वॉइस नोट के जरिए धमकी भरा मैसेज भेजा गया। इस मैसेज में उनसे करोड़ों रुपए की मांग की गई और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। मैसेज मिलने के तुरंत बाद रणवीर सिंह ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। अब उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और उनकी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। पुलिस अब धमकी भरा वॉइस नोट भेजने वाले व्यक्ति या गिरोह की तलाश में जुटी हुई है। जांचकर्ता मैसेज के सोर्स, नंबर और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

# तमन्ना भाटिया

## को मैसूर सैंडल सोप का चेहरा बनाने पर विवाद

कर्नाटक सरकार के अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को मैसूर सैंडल सोप का चेहरा बनाने के फैसले पर विवाद शुरू हो गया है। कई कन्नड़ संगठनों और विपक्ष के नेताओं ने इसकी तीखी आलोचना की है, जो इसे क्षेत्रीय गौरव का अपमान बता रहे हैं। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के साथ 6.2 करोड़ रुपये पर 2 साल के लिए अनुबंध किया गया. हालांकि, इस हाई-प्रोफाइल विज्ञापन को लेकर कड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं. प्रदर्शनकारियों ने कर्नाटक की विरासत से इतनी गहराई से जुड़े इस उत्पाद का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक गैर-कन्नड़ सेलिब्रिटी को चुनने पर सवाल खड़े किए हैं मैसूर सैंडल सोप कर्नाटक में सिर्फ एक पर्सनल केयर प्रोडक्ट भर नहीं है, बल्कि ये एक सांस्कृतिक प्रतीक है। इस साबुन की उत्पत्ति 1916 में हुई थी, जब मैसूर के महाराजा नलवाड़ी कृष्णराज वोडेयार और दीवान सर एम विश्वेश्वरैया ने सरकार की तरफ से संचालित चंदन के तेल का कारखाना स्थापित किया था। उसके 2 साल बाद 1918 में मैसूर सैंडल सोप बाजार में आया और ये जल्द ही पूरे दक्षिण भारत में घरों का एक मुख्य पर्सनल केयर प्रोडक्ट बन गया। पिछले कई दशकों में कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट लिमिटेड जो साबुन की सरकारी स्वामित्व वाली निर्माता कंपनी है. पर्सनल केयर सेक्टर में एक बड़ी कंपनी के रूप में उभरी है। ब्रांड ने अपने मूल उत्पाद की प्रतिष्ठित स्थिति को बनाए रखने के लिए कई बदलाव किए हैं. 2016 में मैसूर सैंडल सोप ने 100 साल पूरे किए, जो किसी भी भारतीय ब्रांड के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। साबुन के प्रचार के लिए गैर कन्नड़ सेलिब्रिटी चुने जाने पर आलोचक सवाल उठा रहे हैं. हालांकि, ये कोई नई बात नहीं है. 2006 में KSDL ने भारतीय क्रिकेट स्टार महेंद्र सिंह धोनी को साबुन का ब्रांड एंबसेडर बनाया था, जबकि उनका भी कन्नड़ से कोई संबंध नहीं है. उस समय धोनी भारतीय क्रिकेट में एक उभरते हुए प्लेयर थे और उनसे 80 लाख रुपये पर अनुबंध किया गया था।

## अनिल कपूर का 'सूबेदार' में दिखा खूंखार अवतार

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर डिजिटल दुनिया में एक सशक्त अवतार के साथ कदम रखने जा रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सूबेदार' का आधिकारिक ऐलान कुछ दिन पहले किया गया था और अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर रिलीज कर दिया है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है। एक्शन और इमोशन से भरपूर इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है, जबकि अनिल कपूर खुद इसके सह-निर्माता भी हैं। फिल्म में राधिका मदान मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी, जिनकी भूमिका कहानी में अहम मोड़ लाती दिखाई देगी। टीजर में अनिल कपूर सेवानिवृत्त सेना अधिकारी अर्जुन मौर्य के किरदार में नजर आते हैं। उनका लुक गंभीर, मजबूत और भावनात्मक परतों से भरा हुआ दिखाई देता है। कहानी एक ऐसे पूर्व सैनिक की है जो अब एक आम नागरिक की जिंदगी जीने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अतीत की परछाइयां उसका पीछा नहीं छोड़तीं।

## ईशान खट्टर ने मुंबई के पॉश इलाके में खरीदी लग्जरी प्रॉपर्टी

बॉलीवुड एक्टर ईशान खट्टर पिछले कुछ दिनों से अपनी फिल्म 'होमबाउंड' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म को लेकर उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इसी बीच अब एक और खबर को लेकर एक्टर चर्चा में आ गए हैं। खबरें हैं कि ईशान खट्टर ने हाल ही में एक मुंबई के पॉश इलाके में एक लग्जरी घर लिया है. ये ईशान खट्टर की ली हुई पहली प्रॉपर्टी है। एक रिपोर्ट के अनुसार ईशान खट्टर ने मुंबई के बांद्रा स्थित पाली हिल में एक बेहद लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। जिसकी कीमत करोड़ों में है। ईशान का नया घर 2,989.05 स्क्वायर फुट के बिल्डअप एरिया में बना है। हाल ही में इस अपार्टमेंट का रजिस्ट्रेशन किया गया, जिसके बाद से ही ये खबरें जोरों पर हैं।

## पॉडकास्ट में ब्रांड मैनेजर के सनसनीखेज दावों पर भड़के

# अल्लू अर्जुन

**भेजेंगे मानहानि का नोटिस**

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने एक ब्रांड मैनेजर द्वारा लगाए गए '42 नियमों' के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिसमें उनसे आंखें न मिलाने जैसी बातें शामिल थीं। इन दावों को बेबुनियाद बताते हुए, अर्जुन की लीगल टीम ने अब झूठी जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ मानहानि की कार्रवाई शुरू कर दी है। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों एक विवाद के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में एक ब्रांड मैनेजर कावेरी बरुआ ने एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेता और उनकी टीम पर कुछ चौंकाने वाले आरोप लगाए थे। अब पुष्पा स्टार ने इन दावों को गलत बताते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। रॉयल एनफील्ड की पूर्व ब्रांड मैनेजर कावेरी बरुआ ने एक पॉडकास्ट में दावा किया कि अल्लू अर्जुन से मिलने से पहले उनकी टीम ने '42 नियमों' की एक लिस्ट थमाई थी। कावेरी के अनुसार, इन नियमों में यह भी शामिल था कि कोई भी अभिनेता की 'आंखों में नहीं देख सकता' और न ही उनसे हाथ मिला सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सुपरस्टार की टीम बहुत सख्त है और उनके पास 'मैनेजर का भी मैनेजर' होता है। जैसे ही इस पॉडकास्ट की क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई, लोगों ने अल्लू अर्जुन को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। कई यूजर्स ने इसे 'घमंड' बताया और सवाल किया कि आखिर कोई किसी की आँखों में क्यों नहीं देख सकता। विवाद बढ़ने के बाद कावेरी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स (इंस्टाग्राम और लिंक्डइन) डिलीट कर दिए हैं।

# स्वयंभू टीज़र हुआ रिलीज़: इतिहास, वीरता और सेंगोल की जंग की देखें शानदार झलक

स्वयंभू 2026 की सबसे चर्चित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक बनकर सामने आया है, जिसमें कार्तिकेय फेम निखिल सिद्धार्थ लीड रोल में हैं। ये फिल्म एक बड़े ऐतिहासिक महाकाव्य की तरह बनाई गई है, और इसमें साम्युक्ता और नभा नतेश भी अहम भूमिकाओं में हैं। भारतीय इतिहास, आध्यात्म और प्रतीकों से जुड़ी ये फिल्म देखने में शानदार और भावनाओं से भरपूर अनुभव देने वाली है। उत्साह को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब इसका बेहद इंतजार किया जाने वाला टीज़र जारी कर दिया है, जिसमें दर्शकों को स्वयंभू की दुनिया की एक दमदार झलक देखने को मिलती है। भारत के सुनहरे दौर में सेट यह टीज़र विरासत, बहादुरी और संस्कृति से जुड़ी कहानी दिखाता है। कहानी के बीच में है सेंगोल, एक प्राचीन पवित्र राजदंड, जो सही नेतृत्व, न्याय और नैतिक ताकत का प्रतीक माना जाता है। भगवान राम से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार, सेंगोल किसी शासक को धर्म के रास्ते पर चलकर शासन करने के संकेत के रूप में दिया जाता था। कहानी सेंगोल के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे हासिल करने के लिए अलग-अलग राज्यों के बीच भयंकर युद्ध और हमले होते हैं। इस उथल-पुथल के बीच एक निडर योद्धा खड़ा होता है, जो संतुलन और इंसाफ को वापस लाने का संकल्प लेता है। निखिल सिद्धार्थ एक बिल्कुल नए और दमदार अवतार में नजर आते हैं, जहां उनका रफ लुक और जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलते हैं। टीज़र की शानदार विजुअल्स, बड़े युद्ध सीन और बेहतरीन सेट इसे और खास बनाते हैं, जिससे फिल्म का बड़ा पैमाना साफ नजर आता है। मजबूत सांस्कृतिक जुड़ाव और दमदार कहानी के साथ स्वयंभू पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना चुकी है, और लोग इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म भारत कृष्णमाचारी द्वारा लिखी और निर्देशित की गई है। इसमें KGF और सालार फेम रवि बसरूर का दमदार म्यूज़िक है, बाहुबली और RRR के सिनेमैटोग्राफर केके सेंथिल कुमार की शानदार सिनेमैटोग्राफी है और बाहुबली फेम तम्मिराजू की एडिटिंग है, साथ ही कई और जाने-माने टैलेंट्स भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। स्वयंभू को पिक्सेल स्टूडियोज़ के भुवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी गौरवशाली विरासत को समर्पित इस भव्य फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, चीनी, स्पेनिश और अरबी सहित कई भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज़ किया जाएगा। स्वयंभू की रिलीज़ गर्मियों 2026 में सिनेमाघरों में तय की गई है।

(साभार एजेंसी)

# एशियाई चैंपियनशिप : रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक से चूकी मनु भाकर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली।

फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाईं जिससे अंतर कम हो गया। आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गईं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंतिम सीरीज में मनु ने तीन निशाने लगाए जबकि ट्रेंग दो की निशाने लगा पाईं जिससे दोनों का कुल स्कोर 35 हो गया और मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा इससे पहले ईशा ने प्रिसिन और ड्यूलिंग चरण के क्वालीफिकेशन दौर में 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद मनु (584) रहीं। रिदम ने भी फाइनल में जगह बनाई जिससे आठ में से तीन निशानेबाज भारतीय थे।

## फिन एलन ने रचा नया इतिहास

### अभिषेक शर्मा का बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

**चेन्नई (एजेंसी)।** आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। चेन्नई में खेले गए इस मुकाबले में कीवी टीम ने 174 रनों का लक्ष्य महज 15.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। इस जीत के हीरो रहे ओपनर्स टिम सीफर्ट और फिन एलन, जिन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी से मैच एकतरफा बना दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 173 रन बनाए। कप्तान मुहम्मद वसीम (66) और अलीशान शराफू (55) ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत विस्फोटक रही। टिम सीफर्ट ने 42 गेंदों में नाबाद 89 रन बनाए, जबकि फिन एलन ने 50 गेंदों पर 84 रन ठोके। दोनों ने पहले विकेट के लिए अटूट साझेदारी कर टीम को रिकॉर्ड जीत दिलाई। इस पारी के साथ ही फिन एलन ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन पूरे करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने यह मुकाम 2854 गेंदों में हासिल किया और भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 2898 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। इसी बीच टीम इंडिया को झटका लगा है। अभिषेक शर्मा पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती हैं और नामीबिया के खिलाफ मैच में उनके खेलने पर संशय बना हुआ है।

**टी20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने का रिकॉर्ड**

फिन एलन – 2854 गेंद

अभिषेक शर्मा – 2898 गेंद

### टी-20 वर्ल्ड कप

## ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका, मिशेल मार्श हुए चोटिल

**कोलंबो (एजेंसी)।** आयरलैंड के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के 14वां मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श मैदान पर नहीं उतरे। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में टॉस के दौरान ट्रैविस हेड टॉस करने आए और जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। टॉस के बाद हेड ने मार्श के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें चोट लग गई थी। ट्रैविस हेड ने टॉस के बाद कहा, हां, बदकिस्मती से कुछ छोटी-मोटी दिक्कतें हुई हैं। मार्श को कुछ दिन पहले ट्रेनिंग में चोट लग गई थी और कोई भी उसके लिए मसाज करने को तैयार नहीं था। तो वह बदकिस्मत है। बाकी सब वैसा ही है। पाकिस्तान सीरीज से हमारे कुछ लड़के वापस आ जाने चाहिए थे। लेकिन हां, यह एक मजबूत टीम है और हम इसका इंतजार कर रहे हैं। हमने शायद 18 महीने पहले एक ग्रुप के तौर पर 19-ब्लॉक गेम सीरीज के बारे में बात की थी। तो हमने उन 19 गेम को एक ब्लॉक के तौर पर देखा है। हेड ने कहा, पाकिस्तान सीरीज हमारे पक्ष में नहीं गई, लेकिन अब हमारे पास एक मौका है। हम पिछले 12 से 18 महीनों से बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और इस तरह के टूर्नामेंट में यह जरूरी हो जाता है। आप चाहते हैं कि लड़के बिना किसी डर के मैदान में उतरें और जो हम पिछले कुछ सालों से बना रहे हैं, उसे सपोर्ट करें। हमारे पास एक अनुभवी टीम है और वर्ल्ड कप के अनुभव वाले कुछ नए चेहरे भी हैं, जो हमेशा रोमांचक होता है।

### टी-20 वर्ल्डकप

# साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को डबल सुपर ओवर में हराया

## 6 बॉल पर 24 रन चाहिए थे, अफगानिस्तान 19 रन ही बना सका

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान को डबल सुपर ओवर में हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में टूर्नामेंट के इतिहास का पहला डबल सुपर ओवर देखने को मिला। ग्रुप-डी के इस मैच में दूसरे सुपर ओवर में साउथ अफ्रीका ने 6 गेंदों पर 23 रन बनाकर अफगानिस्तान को 24 रन का लक्ष्य दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान टीम ने दूसरी ही गेंद पर मोहम्मद नबी का विकेट गंवा दिया। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज ने मुकाबला तीसरी, चौथी व पांचवीं गेंद पर लगातार तीन छक्के जड़ दिए, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके।

इससे पहले दूसरे सुपर ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर ने तीन छक्के लगाकर साउथ अफ्रीका को 23 रन तक पहुंचाया था। पहले सुपर ओवर में दोनों टीमों ने 17-17 रन बनाए थे, जिसकी आखिरी गेंद पर स्टब्स ने छक्का लगाकर स्कोर बराबर किया था।रहमानुल्लाह गुरबाज ने दूसरे सुपर ओवर में केशव महाराज की बॉल पर लगातार 3 सिक्स लगाए।

### अफगानिस्तान ने जीता हुआ मैच गंवाया

अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। ओवर की पहली ही गेंद कागिसो रबाडा ने नो-बॉल फेंकी, जिस पर कैच भी हुआ, लेकिन बल्लेबाज आउट नहीं हुए और फ्री-हिट मिल गई। इसके बाद वाइड और फिर फ्री-हिट ने साउथ अफ्रीका पर दबाव और बढ़ा दिया। 19.2 बॉल पर नूर अहमद ने सिक्स लगाकर मैच अफगानिस्तान की तरफ झुका दिया। अब 5 गेंदों पर 11 रन चाहिए थे। अगली गेंद डॉट रही, लेकिन 19.4 पर फिर नो-बॉल हो गई, जिस पर नूर ने दो रन ले लिए और अफगानिस्तान जीत के बेहद करीब पहुंच गया।

### मैच का हाल, दोनों टीमों ने 187-187 रन बनाए

इससे पहले दोनों के बीच का मैच टाई हो गया। इसमें दोनों टीमों ने एक समान 187-187 रन बनाए। 188 का टारगेट चेज कर रही अफगानी टीम को जीत के लिए 3 बॉल पर 2 रन की जरूरत थी। लेकिन, आखिरी ओवर की चौथी बॉल पर फजलहक फारूकी रनआउट हो गए। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है। अफ्रीका के लिए रायन रिकेल्टन (61) और क्विंटन डी कॉक (59) ने अर्धशतक लगाए। डेविड मिलर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने 3 और राशिद खान ने 2 विकेट लिए। फजलहक फारूकी को 1 विकेट मिला।

### प्लेइंग-11

**अफगानिस्तान** – रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दारविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाईब, राशिद खान (कप्तान), फजलहक फारूकी, नूर अहमद और मुजीब उर रहमान।

**साउथ अफ्रीका** – ऐडन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, रायन रिकेल्टन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, कगिसो रबाडा, केशव महाराज और लुंगी एनगिडी।

## टी-20 वर्ल्ड कप में रोहतक के मयंक का दम

### यूएई टीम की तरफ से खेला, न्यूजीलैंड के खिलाफ 13 गेंदों में बनाए 21 रन

**रोहतक (एजेंसी)।** रोहतक के गांव घिलौड़ के रहने वाले मयंक चौधरी ने टी-20 वर्ल्ड में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में श्व टीम की तरफ से खेलते हुए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर 13 गेंदों में 21 रनों की छोटी, लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेली। 16वें ओवर में आए मयंक चौधरी ने 2 चौके व एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए। मयंक चौधरी ने टी-20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम का सामना किया। 16वें ओवर में मयंक चौधरी को बैटिंग करने का मौका मिला। मयंक ने अपने स्वभाव के अनुरूप तेज बैटिंग की और 2 चौके व एक छक्के की मदद से स्कोर को 21 रनों तक पहुंचाया। इस दौरान मयंक चौधरी लॉकी फर्ग्यूसन की गेंद पर छक्का मारने के चक्कर में मिचेल सेंटनर को कैच थमा बैठे।

**10 साल की उम्र में शुरू किया खेलना** – मयंक चौधरी जब मात्र 10 साल का था तो क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया। गवर्नमेंट मॉडल स्कूल से 12वीं की पढ़ाई की और डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ से पीजी की डिग्री ली। इसी बीच खेलना जारी रखा और पढ़ाई व खेल के बीच एक सामंजस्य बनाए रखा।

## श्याम लाल कॉलेज, आईजीआई और डीयू एलुमना फाइनल में पहुंचे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मेजबान श्याम लाल कॉलेज और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस 12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग के फाइनल में भिड़ेंगे। महिला वर्ग के फाइनल में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस और दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना के बीच खिताबी मुकाबला होगा। पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइनल में गत चैंपियन श्याम लाल कॉलेज ने एसएलसी'बी टीम को 4-1 से हराया। विजेता टीम के मनीष को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। श्याम लाल कॉलेज के लिए पंकज ने दो, नवीन बिधूड़ी और हर्ष शर्मा ने एक-एक गोल किया। एसएलसी'बीटीम का एकमात्र गोल दीपक ने किया। दूसरे सेमीफाइनल में इंदिरा गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस ने श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज को सडन डेथ तक खिंचे मुकाबले में 8-7 से मात दी। निर्धारित समय में स्कोर 2-2 था। विजेता टीम के ध्रुव को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के लिए ध्रुव ने 6 और पुलकित ने दो गोल किए। खालसा कॉलेज के लिए तनुज और विपिन ने दो-दो, दानिश, प्रियांश व मनीष ने एक एक गोल किया। महिला वर्ग के पहले सेमीफाइनल में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस ने विवेकानंद कॉलेज को 5-0 से मात दी। कल्याणी ने तीन, सोमवती और शीतल ने एक-एक गोल किया।

### टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग

# भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम, अभिषेक और चक्रवर्ती नंबर-1 बरकरार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी द्वारा जारी ताज़ा टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा कायम है। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर बरकरार हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रज़ा ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में नंबर-1 बन गए हैं।

**बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा का दबदबा** – अभिषेक शर्मा 909 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम हैं। उनके बाद इंग्लैंड के फिल सॉल्ट (821), पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (769), जोस बटलर (766) और श्रीलंका के पथुम निसंका (754) क्रमशः दूसरे से पांचवें स्थान पर हैं। रैंकिंग में अन्य खिलाड़ियों ने भी छलांग लगाई है। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस छह स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर हैं। स्कॉटलैंड के जॉर्ज मुंसी सात पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 23वें, भारत के ईशान किशन सात स्थान ऊपर 25वें और नीदरलैंड्स के माइकल लेविट छह स्थान ऊपर 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

**गेंदबाजों में चक्रवर्ती नंबर-1** – गेंदबाजों की रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती मामूली बढ़त के साथ पाकिस्तान के अबरार अहमद से आगे शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। टॉप-10 में श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर पहुंचने वाले एकमात्र बड़े बदलाव रहे।टॉप-10 के बाहर भी कई खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत के अर्शदीप सिंह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर हैं। सलमान मिर्जा नौ स्थान की छलांग लगाकर 13वें, ब्रैड इवांस 16 स्थान ऊपर संयुक्त 15वें, मिचेल सैंटनर चार स्थान ऊपर संयुक्त 19वें और ब्रैडली करी 25 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

**सिकंदर रज़ा बने नंबर-1 ऑलराउंडर** – ऑलराउंडर्स की सूची में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रज़ा ने एक स्थान की छलांग लगाकर नंबर-1 पोजीशन हासिल कर ली है। उन्होंने पाकिस्तान के सैम अयूब को पीछे छोड़ा। टी20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की शानदार शुरुआत का फायदा रज़ा को मिला। कोलंबो में ओमान के खिलाफ मुकाबले में रज़ा ने चार किफायती ओवर में 1/17 का प्रदर्शन किया और बाद में विजयी रन बनाकर टीम को आठ विकेट से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन ने उन्हें दोबारा शीर्ष स्थान दिलाया, जिसे उन्होंने पहली बार पिछले साल के अंत में हासिल किया था।

# भारतीय टेनिस के लिए बड़ी जीत

## ऋषभ पंत ने डेविस कप में नीदरलैंड्स पर भारत की जीत की सराहना की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने डेविस कप क्वालिफायर्स के पहले दौर में नीदरलैंड्स पर भारत की यादगार जीत की जमकर तारीफ की है। भारत की इस जीत के साथ ही टीम ने सितंबर में होने वाले क्वालिफायर्स के दूसरे दौर के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

### पंत ने दी बधाई

ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, डेविस कप क्वालिफायर्स में भारतीय टेनिस के लिए बड़ी जीत। नीदरलैंड्स को हराकर दूसरे दौर में पहुंचना जबरदस्त जज्बे की मांग करता है। शाबाश लड़कों!

● **फैसले में फिर चमके सुरेश** – निर्णायक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 457 ढाक्शिणेश्वर सुरेश ने अपेक्षाकृत फ्रेश गाइ डेन आउडेन का सामना किया। हालांकि डेन आउडेन को पहली सर्व में दिक्कतें रहीं, लेकिन उन्होंने 15 ऐस लगाते हुए बिना कोई ब्रेक पॉइंट दिए मैच अपने नाम किया।

### ढाक्शिणेश्वर सुरेश बने जीत के हीरो

बेंगलुरु में खेले गए इस मुकाबले में ढाक्शिणेश्वर सुरेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सिंगल्स में उन्होंने डच टीम के शीर्ष रैंक खिलाड़ी जेस्पर डी जोंग को हराकर भारत को महत्वपूर्ण अंक दिलाया।

### डबल्स में भांबरी-सुरेश की ऐतिहासिक जीत

इसके बाद सुरेश ने युकी भांबरी के साथ मिलकर डेविड पेल और सैंडर एरेंड्स की जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेला। पहली बार साथ खेल रही इस भारतीय जोड़ी ने तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-6(0), 3-6, 7-6(1) से जीत दर्ज कर भारत को टाई में पहली बार बढ़त दिलाई।

### नागल की चोटिल जुझारू पारी

भारत को जीत के लिए रिवर्स सिंगल्स में सुमित नागल से उम्मीद थी, लेकिन जेस्पर डी जोंग ने वापसी करते हुए मुकाबला 5-7, 6-1, 6-4 से जीत लिया। गौर है कि नागल ने दाहिनी जांघ में ग्रेड-2 टियर के बावजूद मुकाबला खेला, जिससे उनके साथी खिलाड़ी को रिकवर होने के लिए कीमती समय मिला।

### पेस के बाद पहली बार इतिहास रचा

इस प्रदर्शन के साथ सुरेश 2004 में लिएंडर पेस के बाद एक ही डेविस कप टाई में तीन मैच जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। इस जीत ने भारत को पिछले 15 वर्षों में डेविस कप (वर्ल्ड कप ऑफ टेनिस) में सबसे आगे तक पहुंचाया, जब टीम अंतिम-16 में डिफेंडिंग चैंपियन सर्बिया से हारी थी। भारत अब सितंबर में क्वालिफायर्स के दूसरे दौर में खेलेगा, जहां आठ टीमों के डेविस कप फाइनल्स में जगह बनाने की जंग होगी।

# पीएम मोदी के निमंत्रण पर भारत आएंगे ब्राजील के राष्ट्रपति लूला, एआई इम्पेक्ट समिट में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय ने प्रेस ब्रीफिंग में जानकारी दी कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा भारत के दौरे पर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर वे 19-20 फरवरी को आयोजित एआई इम्पेक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेंगे।

**21 फरवरी को भारत-ब्राजील द्विपक्षीय वार्ता**

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 21 फरवरी को भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। इसी दिन राष्ट्रपति लूला, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे उपराष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी मिलेंगे। राष्ट्रपति लूला अपने बिजनेस डेलिगेशन और अधिकारियों के साथ भारत आएंगे।

**फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भी आएंगे भारत**

विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक तीन दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे 19 फरवरी को नई दिल्ली में एआई इम्पेक्ट समिट में भाग लेंगे।

**हॉरिजोन 2047 रोडमैप पर चर्चा**

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों हॉरिजोन 2047 रोडमैप के तहत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों, खासकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग पर भी विचार-विमर्श करेंगे। साथ ही मुंबई में भारत-फ्रांस 'ईयर ऑफ इनोवेशन' 2026 का उद्घाटन भी करेंगे।

**वैश्विक नेताओं का जमावड़ा**

विदेश मंत्रालय के अनुसार, एआई इम्पेक्ट समिट में कई अन्य वैश्विक नेता, नीति निर्माता, उद्योग प्रतिनिधि और विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। समिट का उद्देश्य गवर्नेंस, नवाचार और सतत विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की संभावनाओं पर चर्चा करना और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है।

# मिसरी-झाओक्सू वार्ता : मतभेदों को रणनीतिक दीर्घकालिक दृष्टिकोण से सुलझाया जाना चाहिए: चीन

» बीजिंग, भाषा।

चीन के विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में भारत के साथ मंगलवार को हुई रणनीतिक वार्ता पर मंगलवार को कहा कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए, मतभेदों को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए और सहयोग बढ़ाना चाहिए। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनके चीनी समकक्ष मा झाओक्सू ने भारत-चीन रणनीतिक वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई मा झाओक्सू भारत में ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लेने आए हैं। चीन के विदेश मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में मिसरी और झाओक्सू के बीच बातचीत पर कहा गया कि दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्थिति, दोनों देशों की आंतरिक एवं बाहरी नीतियों, साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों तथा चीन-भारत संबंधों पर मित्रतापूर्ण, स्पष्ट और गहन संवाद किया।

दोनों पक्षों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति में जटिल और गहरे बदलावों को देखते हुए भारत और चीन को मिलकर काम करना चाहिए तथा चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बनी महत्वपूर्ण समझ को गंभीरता से लागू करना चाहिए। बयान में कहा गया है कि दोनों देशों को चीन-भारत संबंधों को रणनीतिक एवं दीर्घकालिक दृष्टि से देखना और संभालना चाहिए। इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं के बीच बनी समझ के अनुसार, दोनों देशों को यह रणनीतिक धारणा बनाए रखनी चाहिए कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और दोनों एक-दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं, खतरा नहीं। चीन ने कहा कि दोनों देशों को आपसी विश्वास को मजबूत करना चाहिए, सहयोग बढ़ाना चाहिए, मतभेदों को सही तरीके से सुलझाना चाहिए और संबंधों को स्थिर एवं सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। दोनों पक्षों ने 2026 और 2027 में ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान एक-दूसरे के कार्यों का समर्थन करने पर सहमति जताई। इसके अलावा दोनों पक्षों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, ग्लोबल साउथ में एकता एवं सहयोग को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय न्याय एवं निष्पक्षता की रक्षा करने, बहुध्रुवीय विश्व के लिए मिलकर काम करने तथा एशिया और विश्व में शांति एवं विकास में योगदान देने पर सहमति जताई। भारत के विदेश मंत्रालय ने भी अपनी विज्ञप्ति में कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े व्यापक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मिसरी और झोआक्सू की बातचीत मुख्य रूप से उन कदमों पर केंद्रित रही, जिनके जरिए दोनों देश संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्मित करने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय तक रहे सैन्य गतिरोध के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आया था। भारतीय-चीन रणनीतिक वार्ता के तहत दोनों पक्षों ने अद्यतन हवाई सेवा समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने की आवश्यकता को स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति की समीक्षा की और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ाकर तथा संवेदनशील मुद्दों पर चिंताओं को दूर करके संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जायसवाल ने संवेदनशील मुद्दों के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन समझा जाता है कि भारतीय पक्ष दुर्लभ पृथ्वी खनिजों से संबंधित चीन के निर्यात नियंत्रण उपायों को लेकर चिंतित है। मिसरी और झाओक्सू की वार्ता पर भारतीय पक्ष की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चर्चा मुख्य रूप से द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने और पुनर्निर्माण में हालिया प्रगति तथा आगे संपर्क बढ़ाने के उपायों पर केंद्रित रही। बयान में कहा गया है, दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों की समग्र प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसमें कहा गया है, उन्होंने व्यापार से जुड़े मुद्दों और चिंताओं को राजनीतिक एवं रणनीतिक तरीके से सुलझाने की आवश्यकता सहित नेताओं द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

ढाका शहर में दो केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया

# बांग्लादेश चुनाव: 50 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्र संवेदनशील, सीसीटीवी लगाए गए

» ढाका, भाषा।

**बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए आधे से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इनमें से 90 प्रतिशत मतदान केंद्र सीसीटीवी निगरानी में होंगे और राजधानी ढाका में बॉडी कैमरे लगाए कई पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग की सुरक्षा प्रणाली जोखिम मूल्यांकन पर आधारित है। निर्वाचन आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात संवाददाता सम्मेलन में कहा, स्थानीय स्तर पर संवेदनशीलता के आकलन के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है।**

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि इन चुनाव में देश के चुनावी इतिहास में कानून प्रवर्तन कर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती और प्रौद्योगिकी का सबसे व्यापक उपयोग देखने को मिलेगा। सनाउल्लाह ने कहा कि निर्वाचन आयोग को उम्मीद है कि कानून प्रवर्तन एजेंसी मतदान के दौरान और चुनाव के बाद मतदाताओं के लिए शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति से काफी हद तक संतुष्ट है और पहले की तुलना में हम अब बेहतर स्थिति में हैं। उनकी यह टिप्पणी पुलिस महानिरीक्षक बहारुल आलम के उस बयान के कुछ देर बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश भर में लगभग 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 मतदान केंद्र उच्च या मध्यम जोखिम वाले मतदान केंद्र पाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने निर्वाचन आयोग को संवेदनशील मतदान केंद्रों की सूची सौंपी है, जिससे पता चलता है कि ढाका के 2,131 मतदान केंद्रों में से।,614 जोखिम वाले हैं। हालांकि, सेना ने इससे पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने ढाका शहर में दो केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया है। बांग्लादेश में एक जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ-साथ आम चुनाव हो रहे हैं। मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को संसदीय चुनाव होंगे। यह अगस्त 2024 में देशव्यापी व्यापक विरोध प्रदर्शनों में प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद पहला आम चुनाव होगा।

## न्यूज ब्रीफ

### भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध हो सकता था, 10 विमान मार गिराए गए थे :ट्रंप

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

**अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया कि उन्होंने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को शुल्क (टैरिफ) के जरिए रोक दिया था जो उनके अनुसार परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने मंगलवार को फॉक्स बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैंने आठ युद्ध रुकवाए। इन आठ युद्धों में से कम से कम छह शुल्क के कारण सुलझे। मैंने कहा कि अगर आप यह युद्ध नहीं रोकते हैं तो मैं आप पर शुल्क लगा दूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि लोग मारे जाएं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, और उन्होंने कहा, इसका इससे क्या लेना-देना? मैंने कहा, आप पर शुल्क लगाया जाएगा। जैसे भारत और पाकिस्तान। मेरे विचार में यह एक परमाणु युद्ध में बदल सकता था।**

वे वास्तव में युद्ध की ओर बढ़ रहे थे, 10 विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप ने हमें लड़ाई रोकने के लिए राजी करके कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बचाई। ट्रंप ने कहा, मेरे विचार में वे परमाणु युद्ध की ओर बढ़ रहे थे। शुल्क के बिना युद्ध रुकवाना संभव नहीं होता। ट्रंप ने पिछले साल 10 मई से लेकर अब तक कई बार भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा किया है। उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद दोनों पड़ोसी देशों ने सैन्य टकराव को पूर्ण और तत्काल रोकने पर सहमति जताई। भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। भारत ने पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया। यह कार्वाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

### दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 2025 में रिकॉर्ड 9.52 करोड़ यात्रियों ने किया सफर

» दुबई, भाषा।

**दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, 2025 में भी दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा रहा। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 2025 में रिकॉर्ड 9.52 करोड़ यात्रियों ने इसके टर्मिनल से सफर किया, जो अमीरात की जारी आर्थिक तेजी को दर्शाता है। वैश्विक महामारी के बाद के वर्ष में हवाई अड्डे की गतिविधियों में तेज उछाल आया है। इसे वैश्विक यात्रा रुचि के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े शहर दुबई में बढ़ते पर्यटन, व्यापार एवं रियल एस्टेट अवसरों से बल मिला है। दुबई में पिछले साल पर्यटकों की संख्या पांच प्रतिशत बढ़कर 1.96 करोड़ तक पहुंच गई। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब रिकॉर्ड आंकड़े दर्ज किए गए।**

सार्वजनिक क्षेत्र का हवाई अड्डा लंबी दूरी की विमानन कंपनी एमिरेट्स का केंद्र है जो अमीरात में दुबई इंक. के नाम से जानी जाने वाली सरकारी व सरकार से जुड़ी कंपनियों के नेटवर्क को मजबूती देता है। दुबई एयरपोर्ट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पॉल ग्रिफिथ्स ने कहा कि 2025 में दुबई अंतरराष्ट्रीय ने यह दिखा दिया, रिकॉर्ड यातायात अब कोई अपवाद नहीं बल्कि इसकी संचालन वास्तविकता का हिस्सा बन चुका है। दुबई हवाई अड्डे से 2024 में 9.23 करोड़ यात्रियों ने सफर किया था जबकि 2023 में यह आंकड़ा 8.69 करोड़ रहा। 2019 में वैश्विक महामारी से ठीक पहले यात्रियों की संख्या 8.63 करोड़ रही थी और 2018 में 8.91 करोड़ थी। दुबई अंतरराष्ट्रीय से उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिए भारत शीर्ष गंतव्य रहा जहां 1.19 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की। इसके बाद सऊदी अरब (75 लाख) और ब्रिटेन (63 लाख) का स्थान रहा। इस हवाई अड्डे से 108 विमानन कंपनियां 110 देशों के 291 शहरों के लिए उड़ानें संचालित करती हैं।

### तनाव कम करने के लिए यूनान और तुर्किए के नेता करेंगे वार्ता

» अंकारा, भाषा।

**यूनान के प्रधानमंत्री क्यारियाकोस मित्सोताकिस बुधवार को तुर्किए की यात्रा के लिए रवाना हुए, जहां दोनों देशों के बीच वार्ता होने की उम्मीद है।**

यह यात्रा ऐसे समय में संवाद बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है जब दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। वरिष्ठ मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आने वाले मित्सोताकिस तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे।

# एआई इम्पैक्ट समिट यह संदेश है कि भारत एआई को लेकर कितना गंभीर है: चंद्रिका टंडन

» न्यूयॉर्क, भाषा।

**प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी कारोबारी नेता चंद्रिका कृष्णमूर्ति टंडन ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहा वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) शिखर सम्मेलन दुनिया के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि भारत एआई को लेकर कितना गंभीर है और इस सम्मेलन से विविध क्षेत्रों में सहयोग एवं नवाचार को बढ़ावा देने के अवसर पैदा होंगे। प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं ग्रैमी पुरस्कार विजेता कलाकार टंडन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार द्वारा एआई को प्राथमिकता दिए जाने के प्रयासों को बेहद प्रभावशाली बताया। टंडन ने मंगलवार को यहां बातचीत में कहा, मैं इस सोच की सराहना करती हूं कि एआई का उपयोग समाज के सभी वर्गों के लाभ के लिए किया जाए।**

यह विकसित भारत और उससे जुड़ी व्यापक पहलों का घोषित लक्ष्य रहा है। भारत 16 से 20 फरवरी के बीच इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस एआई एक्शन समिट में इस सम्मेलन की घोषणा की थी। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई सम्मेलन होगा और इसमें पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस के सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एआई शिखर सम्मेलन में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत की प्रमुख हस्तियां एक मंच पर आ रही हैं। टंडन ने कहा, यह केवल औपचारिक एजेंडे तक सीमित संवाद का अवसर नहीं है। इससे होने वाले अनौपचारिक संवाद से विविध क्षेत्रों में सहयोग एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, यह (सम्मेलन) दुनिया को यह भी संदेश देता है कि भारत एआई को लेकर गंभीर है। देश की युवा आबादी को देखते हुए, यह भारत के लिए एक बड़ा मौका है कि वह इसका सही उपयोग करे और दुनिया को कुछ नया दे। मेरा मानना है कि भारत में जो सीख विकसित होगी, वह केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी दुनिया उससे सीख सकेगी। शिखर सम्मेलन से कुछ सप्ताह पहले, टंडन और उनके पति रंजन टंडन ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) में कृष्णमूर्ति टंडन स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्थापित करने के लिए एक समझौता किया। यह समझौता इस वर्ष 29 जनवरी को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अमेरिका में ऑनलाइन माध्यम से मौजूद राजदूत विनय क्वात्रा की उपस्थिति में किया गया। आईआईएम अहमदाबाद के 1975 बैच की पूर्व छात्रा टंडन और उनके पति द्वारा दिए गए 100 करोड़ रुपए के दान से यह स्कूल स्थापित किया जाएगा। टंडन ने आईआईएम अहमदाबाद में एआई के लिए समर्पित इस स्कूल की स्थापना को भारत के लिए एक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि भारत में ट्रांसलेशनल एआई पर होने वाला शोध वैश्विक स्तर पर अत्यंत प्रासंगिक होगा।

### बीजिंग में भारत और अमेरिका के राजदूतों की मुलाकात हुई

**बीजिंग, भाषा।** चीन में भारत के राजदूत प्रदीप रावत और उनके अमेरिकी समकक्ष डेविड पर्ड्यू ने बीजिंग में मुलाकात की और अमेरिका-भारत संबंधों एवं साझा हितों पर चर्चा की। पर्ड्यू ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों पर घनिष्ठ सहयोग और क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) की भागीदारी के माध्यम से अमेरिका-भारत संबंध वास्तविक परिणाम देते हैं। उन्होंने कहा, अपने मित्र राजदूत रावत से मिलकर हमारी साझा रुचियों पर चर्चा करना हमेशा ही बहुत अच्छा अनुभव रहता है। दिसंबर के बाद से यह उनकी दूसरी बैठक है। रावत, पर्ड्यू और चीन में जापानी राजदूत केंजी कानासुगी ने पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी दूतावास में मुलाकात की थी।

# ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने हाउस ऑफ लॉर्ड्स में मेघनाद देसाई के स्मारक पर श्रद्धांजलि दी

» लंदन, भाषा।

**ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने लंदन स्थित हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में दिवंगत अर्थशास्त्री मेघनाद देसाई को श्रद्धांजलि दी तथा उन्हें विलक्षण बुद्धिजीवी, संवेदनशील विद्वान और एक समर्पित लोक सेवक बताया। ब्रिटिश संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के पूर्व सदस्य रहे देसाई का पिछले साल 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया और मंगलवार को उनके कई साथी सांसदों, सहयोगियों, शिक्षाविदों तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) के पूर्व छात्रों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। एलएसई में वह अर्थशास्त्र के एमेरिटस प्रोफेसर थे। उच्च सदन के सदस्य लॉर्ड कृष रावल ने स्टार्मर का संदेश भी पढ़कर सुनाया।**

संदेश में स्टार्मर ने कहा, भारतीय मूल के पहले लेबर पार्टी के पियर लॉर्ड देसाई की उल्लेखनीय यात्रा एक अनवरत जिज्ञासा और मानवीय समझ को आगे बढ़ाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता से परिभाषित थी। ब्रिटेन में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य को लॉर्ड या पियर की उपाधि दी जाती है और उनकी पत्नी को लेडी से संबोधित किया जाता है। रावल ने कहा, देसाई ब्रिटेन और भारत के बीच एक सेतु निर्माता थे, जिन्होंने अपने वैश्विक दृष्टिकोण और अनुभव से हमारे राष्ट्रीय जीवन को समृद्ध किया। उन्होंने कहा, संसद परिसर के पार्लियामेंट स्क्वायर में स्थित गांधी स्मारक उनके अटूट दृढ़ संकल्प और नई चीजों को साकार करने की उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण है। मेघनाद देसाई की याद में उनकी पत्नी लेडी किश्वर देसाई ने टेम्स नदी के किनारे यह कार्यक्रम आयोजित किया था। लेखन कार्यों से जुड़ीं किश्वर देसाई ने कहा, मुझे लगता है कि यहां हर कोई मेरे दु:ख को महसूस कर रहा है, लेकिन साथ ही उन्हें इस बात की खुशी भी है कि वह हमारे साथ थे और अपनी लिखी किताबों, अपने छात्रों और जिन विचारों को उन्होंने हमारे साथ साझा किया, उनके माध्यम से वह हमेशा हमारे बीच बने रहेंगे। गुजरात में जन्मे मेघनाद देसाई अधिकतर समय लंदन, दिल्ली और गोवा में बीतता था। उन्होंने अर्थशास्त्र में कई महत्वपूर्ण रचनाएं लिखीं और वह हिंदी सिनेमा से भी काफी प्रभावित थे तथा इससे संबंधित पुस्तकें भी उन्होंने लिखीं। जुलाई 2025 में दिल्ली में देसाई के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए भारत और भारतीय संस्कृति से उनके गहरे जुड़ाव तथा भारत-ब्रिटेन संबंधों को मजबूत करने में उनकी भूमिका की सराहना की थी।

### कनाडा के एक स्कूल और मकान में गोलीबारी संदिग्ध समेत दस लोगों की मौत

**वैंकूवर (कनाडा), भाषा।** कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक स्कूल में गोलीबारी की घटना में हमलावर सहित आठ लोगों की मौत हो गई तथा एक मकान में दो और लोग मृत पाए गए जिनका संबंध इस घटना से माना जा रहा है। कनाडाई प्राधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बताया कि टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल में हुई गोलीबारी में 25 से अधिक लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। कनाडा में स्कूल में गोलीबारी की घटनाएं होना दुर्लभ हैं। लगभग 2,400 लोगों की आबादी वाला टंबलर रिज शहर वैंकूवर से।,000 किलोमीटर उत्तर में अल्बर्टा की सीमा के पास स्थित है। प्रांतीय सरकार की वेबसाइट के अनुसार, टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल में सातवीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के 175 छात्र पढ़ते हैं। आरसीएमपी के अधीक्षक केन फ्लॉयड ने पत्रकारों को बताया कि जांचकर्ताओं ने हमलावर की पहचान कर ली है, लेकिन उसका नाम जारी नहीं किया। न ही यह स्पष्ट है कि आरोपी ने इस घटना को अंजाम क्यों दिया। फ्लॉयड ने कहा, हम अभी इस बात को समझने की स्थिति में नहीं हैं कि इस त्रासदी का कारण क्या था। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि पीड़ितों और आरोपी के बीच क्या संबंध थे। आरसीएमपी ने एक बयान में कहा, गोलीबारी की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के दौरान पुलिस ने खतरे का पता लगाने के लिए स्कूल में प्रवेश किया।

भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं व अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा

# भारत के साथ व्यापार समझौते पर संशोधित दस्तावेज से व्हाइट हाउस ने कुछ दालों का जिक्र हटाया

» न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, भाषा।

**अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने अंतरिम व्यापार समझौते पर जारी संशोधित दस्तावेज में उन अमेरिकी उत्पादों की सूची से दालों का जिक्र हटा दिया है जिन पर भारत के शुल्क समाप्त करने या कम किए जाने की बात कही गई थी।व्हाइट हाउस ने अमेरिका और भारत ने की ऐतिहासिक व्यापार समझौते (अंतरिम समझौता) की घोषणा शीर्षक से एक दस्तावेज (फैक्ट शीट) सोमवार को जारी किया था। भारत और अमेरिका के पारस्परिक एवं लाभकारी व्यापार से संबंधित अंतरिम समझौते के ढांचे की संयुक्त घोषणा के कुछ दिन बाद व्हाइट हाउस ने इसे जारी किया।**

इसमें समझौते की प्रमुख शर्तों को उल्लेख किया गया है जैसे कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं एवं अमेरिकी खाद्य व कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त करेगा या घटाएगा। इनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे और प्रसंस्कृत फल, कुछ दालें , सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। इसमें साथ ही यह कहा गया था कि भारत ने अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने तथा ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। व्हाइट हाउस ने हालांकि मंगलवार को जारी संशोधित दस्तावेज (फैक्ट शीट) में दालों का जिक्र हटा दिया और भारत के लिए प्रयुक्त शब्द प्रतिबद्ध को बदलकर इरादा रखता है

(इंटेंड्स) कर दिया गया है। संशोधित दस्तावेज में कहा गया है, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं व अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा जिनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी), रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे व प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन तथा स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। इसमें कहा गया है, भारत अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने और 500 अरब डॉलर से अधिक की अमेरिकी ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कोयला और अन्य उत्पादों की खरीद का इरादा रखता है। व्यापार समझौते पर पिछले सप्ताह जारी संयुक्त बयान में उन वस्तुओं की सूची में दालों का कोई उल्लेख नहीं था जिनपर भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों के लिए शुल्क समाप्त या कम किए जाने की बात कही गई थी। संयुक्त बयान में कहा गया था, भारत अगले पांच वर्ष में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान एवं उसके कलपुर्जे, बहुमूल्य धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने का इरादा रखता है। यह संयुक्त बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बातचीत के बाद आया। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने पारस्परिक व्यापार पर अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति जताई और व्यापक अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौता वार्ताओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com